Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0C
न्यूनतम तापमान: 21.0C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 116 जयपुर, रविवार, 29 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

स्टालिन के बेटे उदयनिधि तमिलनाडु के डिप्टी सीएम होंगे

आज राजभवन में शपथ लेंगे, पिछले साल सनातन धर्म को डेंगू-मलेरिया बताया था

■ संजीवनी टुडे

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार के मंत्रिमंडल में शनिवार को फ़ेरबदल किया गया। सीएम एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन (46) को राज्य का डिप्टी सीएम बनाया गया है। रविवार दोपहर 3.30 बजे राजभवन में नई शपथ ग्रहण समारोह होगा। राज्य सरकार ने राज्यपाल रवि से युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि को डिप्टी सीएम नॉमिनेट करने की सिफारिश की थी। साथ ही उनके मौजूदा विभागों के अलावा योजना और विकास विभाग आवंटित करने का भी कहा था। वहीं, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिलने के दो दिन बाद वी सेंथिल बालाजी की मंत्रिपरिषद में वापसी हुई है। उनके अलावा डॉ. गोवी चेझियन, आर राजेंद्रन और एस एम नासर को कैबिनेट में शामिल किया गया है। 27 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मंत्री बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 15 महीने बाद जमानत दी थी। क्कने उन्हें 14 जून 2023 को गिरफ्तार किया था। उस समय वे राज्य सरकार में ऊर्जा मंत्री थे। इसके अलावा उनके पास आबकारी एवं निषेध विभाग भी था। उदयनिधि ने कहा था- सनातन धर्म डेंगू-मलेरिया जैसा उदयनिधि स्टालिन ने 3 सितंबर 2023 को एक बयान दिया था। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की थी। उदयनिधि ने कहा था कि मच्छर, डेंगू, फीवर, मलेरिया और कोरोना ये कुछ ऐसी चीजें हैं।

कई विभागों के मंत्री बदले

तमिलनाडु सरकार में विस्तार में शामिल किए गए एस एम नासर को पहले मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें दूध और डेयरी विकास मंत्री के पद से हटा दिया गया था। मंत्रिमंडल से वर्तमान दूध और डेयरी विकास मंत्री टी मनो थंगराज, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री गिंगी एस मस्थान और पर्यटन मंत्री के रामचंद्रन को हटाया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग संभाल रहे आर. एस. राजकन्नप्पन को दूध एवं डेयरी तथा खादी मंत्री बनाया गया है। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. के पोनमुडी को वन मंत्री बनाया गया है। पर्यावरण मंत्री शिव वी. मेय्यानाथन को पिछड़ा वर्ग मंत्री बनाया गया है। डॉ. एम. मथिवेंथन जो वन मंत्रालय संभाल रहे थे उन्हें अब आदि द्रविड़ कल्याण विभाग दिया गया है। वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु को पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन का अतिरिक्त विभाग दिया गया है। उदयनिधि स्टालिन ने मोदी को 28 पैसा पीएम कहा: बोले- तमिलनाडु 1 रुपया टैक्स देता है और केंद्र 28 पैसे लौटाता है।

पीएम मोदी पर राज्य सरकार को फंड एलोकेट करने में भेदभाव का आरोप लगाया

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार (23 मार्च) को पीएम मोदी पर राज्य सरकार को फंड एलोकेट करने में भेदभाव का आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा- अब हमें पीएम मोदी को 28 पैसा पीएम बुलाना चाहिए। तमिलनाडु केंद्र सरकार को टैक्स के रूप में अगर 1 रुपया देता है तो केंद्र हमें 28 पैसे ही लौटाता है, जबकि भाजपा शासित राज्यों में इससे कहीं ज्यादा फंड दिया जाता है। उदयनिधि ने साउथ सुपरस्टार कमल हासन और विजय जैसे टॉप स्टार को लेकर कई तमिल फिल्में बनाई हैं। उन्होंने हिट फिल्म ओरु कल ओरु कन्नडी सहित कई तमिल फिल्मों में मेन रोल निभाया है। जिनका केवल विरोध नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है। उदयनिधि ने कहा था कि सनातन क्या है? सनातन शब्द संस्कृत से आता है। ये समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। सनातन का अर्थ होता है- स्थायी यानी ऐसी चीज जिसे बदला नहीं जा सकता। जिस पर कोई सवाल खड़े नहीं कर सकता। उदयनिधि कई बार हिंदी भाषा के खिलाफ भी बयान दे चुके हैं। उन्होंने सुषमा स्वराज और अरुण जेटली की मौत का जिम्मेदार प्रधानमंत्री मोदी को ठहराया था। उन्होंने कहा था कि दोनों की मौत पीएम मोदी के टॉर्चर के कारण हुई है।

मंत्री दिलावर बोले-गांधी वाटिका में पूर्व सीएम ने भ्रष्टाचार किया

घटिया पत्थर लगाया, जिन विदेशियों ने देश पर राज किया, उनका महिमामंडन किया

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि दुख है की महात्मा गांधी जैसे सच्चे आदमी, जो ईमानदारी की मिसाल थे। उनके नाम पर भी कांग्रेस भ्रष्टाचार कर गई। कोटा स्टोन की जन्मस्थली रामगंज मंडी है, मैं वहां से चुनकर आता हूं। जहां पर सबसे ज्यादा कोटा स्टोन है, लेकिन यहां पर सबसे बेकार पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। यह वाटिका बनाने में भी अपने आप को राजस्थान का गांधी कहने वाले पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भ्रष्टाचार का खेल खेला। जयपुर में शनिवार को गांधी वाटिका का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री दिलावर ने कहा- गांधी वाटिका में भगवान राम के बारे में कोई चर्चा नहीं है। यहां महाराणा प्रताप के बारे में कोई चर्चा नहीं है। नाम ठीक है, लेकिन जिस तरीके से गांधी के नाम का इस्तेमाल किया, वैसा इस वाटिका में कुछ नहीं है। मदन दिलावर ने कहा- कांग्रेस के लोग गांधी की संतान नहीं हैं। चाहे सोनिया गांधी हो राहुल गांधी हो, सबने उनके नाम का उपयोग करके देश को भ्रमित करने का प्रयास किया है। कांग्रेसी खुद को लोकतंत्र का प्रहरी बताते हैं। लेकिन 1975 में आपातकाल लगाकर भारत के संविधान को निलंबित कर दिया था। उस समय कहा था- अब वही होगा, जो इंदिरा कहेगी। देश

की जनता ने उन्हें चुनाव में आईना दिखा दिया था। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए दिलावर ने कहा कि कांग्रेस के प्रतिपक्ष के नेता दुर्भाग्यवश एक विदेशी महिला के पेट से जन्मे हुए बालक हैं। इनको भारत से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए वह कहते हैं कि भारत वासी मंदिर लड़कियां छेड़ने जाते हैं। वह कहते हैं कि भगवान राम का कोई लेना-देना नहीं है। वैसे भी उनका भारत से क्या लगाव है। कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा- कांग्रेस, जिसकी स्थापना विदेशियों ने की थी। विदेशियों की श्रद्धा हमेशा कांग्रेस में कूट-कूट कर रही है। मैंने आज फोटो देखी है, उन विदेशियों की, जिन्होंने हमारे ऊपर राज किया। गांधी वाटिका में उनका महिमामंडन किया जा रहा है। मंत्री दिलावर ने कहा- 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इसका उद्घाटन करेंगे।

महबूबा मुफ्ती ने हिजबुल्लाह चीफ को शहीद बताया: बोलीं

हम लेबनान और फिलिस्तीन के साथ, उनके समर्थन में एक दिन प्रचार नहीं करूंगी

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर दुख जताया है। शनिवार, 28 सितंबर को ड्ड पर अपनी पोस्ट में महबूबा ने कहा कि लेबनान और गाजा के शहीदों, खासतौर से हसन नसरल्लाह के समर्थन में कल का चुनावी दौरा रद्द कर रही हूं। उन्होंने कहा कि इस गहरे दुख और विद्रोह की घड़ी में हम फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के साथ खड़े हैं। उधर, नसरल्लाह के समर्थन में जम्मू-कश्मीर के बड़गाम में लोगों ने रैली भी निकाली। दरअसल, 27 सितंबर की रात साढ़े 9 बजे इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हवाई हमले किए, जिसमें नसरल्लाह की मौत हो गई। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला किया था। अंजुमन-ए-शरिया के अध्यक्ष बोले- जितना दुख मनाएं, वो कम होगा जम्मू-कश्मीर अंजुमन-ए-शरिया के अध्यक्ष शियान आगा सैयद हसन मुसावी अल सफावी ने कहा कि हम उनकी (हसन नसरल्लाह) मौत का जितना भी शोक मनाएं, वह कम ही होगा। शांति होनी चाहिए और यही उनका मिशन था। उन पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगाया गया ताकि लोग यह न जान सकें कि वे मानवता के लिए क्या कर रहे थे और क्या चाहते थे। वे चाहते थे कि फिलिस्तीन,

फिलिस्तीनियों के लिए आजाद हो। मैं पूरी मानवता और इस्लामी लोगों से कहना चाहता हूं कि जिस बात के लिए उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दी है, उससे कुछ अनोखा होने वाला है। इस क्षति का आकलन करना मुश्किल है, लेकिन उनके खून से हजारों नसरल्लाह पैदा होंगे, जो इस मिशन को आगे बढ़ाएंगे और सफलता हासिल करेंगे। हिजबुल्लाह ने की नसरल्ला के मारे जाने की पुष्टि हिजबुल्लाह ने इजराइली हमले के 20 घंटे बाद चीफ हसन नसरल्लाह के मारे जाने की पुष्टि की है। हिजबुल्लाह ने शनिवार शाम 5 बजे कहा कि शुक्रवार रात साढ़े 9 बजे इजराइल के हवाई हमलों में नसरल्लाह की मौत हो गई। इजराइली सेना ने राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला किया था।

आसपास की 6 बिल्डिंग ध्वस्त

यह इतना भीषण था कि आसपास की 6 बिल्डिंग ध्वस्त हो गईं। बताया जा रहा है कि नसरल्लाह अपनी बेटी के साथ यहीं मौजूद था। हमले में बेटी की मौत की भी खबर है। इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान से अपना कब्जा छोड़ देती है। ये लेबनान में हिजबुल्लाह की अब तक की सबसे बड़ी जीत थी। अगले दिन हिजबुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह लेबनान के एक छोटे शहर बिंत जबेल पहुंचा। भूरे रंग के कपड़े और काला साफा बांधे 39 साल के नसरल्लाह ने कहा, ''इजराइल के पास भले ही परमाणु हथियार हों।

राहुल गांधी का विदेश मंत्री को लेटर: कहा

37 तमिल मछुआरों की श्रीलंका से रिहा कराएं, सीएम स्टालिन ने यही मांग पीएम मोदी से की थी

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को लेटर लिखकर श्रीलंका में बंद तमिल मछुआरों की मांग की है। राहुल ने कहा कि मछुआरों की रिहाई कराने और जब्त की गई नावों को छोड़ने के लिए श्रीलंका के अफसरों से बात करें। इससे पहले 27 सितंबर को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करके मछुआरों की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया था। उन्होंने मछुआरों को जल्द रिहाई की मांग की थी। दरअसल, 21 सितंबर 2024 को श्रीलंकाई नेवई अफसरों ने 37 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी की। साथ ही उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया था। मछुआरे श्रीलंकाई नाव को बचा रहे थे मुझे मयिलादुथुराई संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस सांसद आर सुधा ने मामले की जानकारी दी है। गिरफ्तार किए गए मछुआरे घटना वाले दिन संकट में फंसी श्रीलंकाई नाव को बचाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने श्रीलंकाई अधिकारियों से सहायता के लिए भी संपर्क किया था। इसके बावजूद उन्हने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। मछुआरों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए ऐसी घटनाएं मछुआरों के जीवन को प्रभावित करती हैं। इनकी रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

182 भारतीयों को गिरफ्तार किया

सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और मछुआरों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जनवरी से जून तक 182 भारतीय गिरफ्तार श्रीलंकाई अधिकारियों के मुताबिक इस साल अब तक 182 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया और 25 नाव जब्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय मछुआरे अवैध तरीके से श्रीलंका में घुसने की कोशिश करते हैं। इस साल भी पिछले साल के बराबर गिरफ्तारियां हुईं श्रीलंकाई अधिकारियों ने बताया कि 2023 में भी भारतीय मछुआरों यहीं हाल था, जिसमें जून के महीने में 240-245 तक मछुआरों गिरफ्तार किया था, जो इस साल लगभग 75% है। कई बार तमिलनाडु सरकार इस बात का मुद्दा केन्द्र सरकार के सामने भी उठा चुकी है। मछुआरे सबसे ज्यादा तमिलनाडु के पाक स्ट्रेट से श्रीलंका के उत्तरी सिरे में मछलियों पकड़ने जाते हैं। यहां बड़ी संख्या में मछलियों का झुंड रहता है, जो लंबी और वजन में भारी होती हैं। भारतीय हिस्से में मछलियों की संख्या लगातार कम हो रही हैं। ऐसे में फिशिंग के लिए मछुआरे श्रीलंका के आइलैंड की तरफ जाते हैं। हालांकि वहां तक जाने के रास्ते में इंटरनेशनल समुद्री सीमा पड़ती है, जिसे भारतीय मछुआरों को लांघना पड़ता है।

वाटिका रोड पर सरियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से हादसा

■ संजीवनी टुडे

100 फीट रोड, आधी पर कब्जा, ट्रैक्टर अचानक रोका, बाइक सवार नीचे आए

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में शनिवार सुबह टोंक रोड के नजदीक वाटिका रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सीतापुरा इंडिया गेट स्थित एक कॉलेज में बीएड सेकंड ईयर के लेसन देने जा रही युवती और बाइक चालक किशोर को सरिए से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग लेकर टायर जलाए और वाटिका रोड को जाम कर प्रदर्शन किया। उनका कहना था यहां पर 100 फीट की रोड है, जो अतिक्रमण के चलते सिर्फ 50 फीट की बची है। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाइश कर शांत करवाया। इसके बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मोर्चरी में भिजवाया। थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि हादसे में बालाजी विहार वाटिका निवासी ओमप्रकाश व मोना शर्मा की मौत हो गई। दोनों एक ही कॉलोनी में रहते थे। ट्रॉली के नीचे आने से ओम प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोना ने महात्मा गांधी अस्पताल में दम तोड़ा। हादसे के बाद ड्राइवर मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को छोड़कर भाग गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। शुक्रवार को भी शिवदासपुरा थाना इलाके में बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर एक बाइक पर पलट गई थी। ट्रॉली के नीचे दबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई थी। मोना के पिता शहर से बाहर थे, इसलिए उसकी मां ने ओमप्रकाश को कॉलेज तक छोड़ने के लिए बोला। करीब 8:30 बजे इंडिया गेट स्थित कॉलेज में जाते समय वाटिका रोड स्थित मीणा चौक पर सरिए से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिससे ओम प्रकाश बाइक पर नियंत्रण नहीं कर पाया और ट्रॉली में घुस गया। ओमप्रकाश के पिता रामराज ने बताया कि वह 8वीं क्लास में पढ़ता था। रोज स्कूल जाता था, लेकिन आज छुट्टी कर ली थी। पहले भी एक दो बार कॉलेज छोड़ के आया था।

एअर इंडिया फ्लाइट के खाने में कॉकरोच मिला

मां-बेटे को फूड पॉइजनिंग हुई, पीड़ित बोली- एअर इंडिया में सफर करने में डर लग रहा

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट के नाश्ते में एक कॉकरोच मिला। घटना 17 सितंबर की है। एक महिला ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके मामले की जानकारी दी। पैसेंजर महिला ने बताया कि उन्हें और उनके 2 साल के बेटे को फूड पॉइजनिंग हुई। अब वे एअर इंडिया की फ्लाइट में सफर नहीं करेंगी। एअर इंडिया ने मामले को लेकर माफी मांगी है। एयरलाइन मैनेजमेंट ने कहा कि वे पैसेंजर के एक्सपीरियंस को लेकर चिंतित हैं। वे मामले की जांच करेंगे। साथ ही कैटरिंग सर्विस देने वाली कंपनी से भी बात करेंगे। फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए मां-बेटे सुयशा सावंत नाम की एक महिला अपने दो साल के बच्चे के साथ दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही थी। इस दौरान नाश्ते में ऑमलेट मिला। मैंने अपने बेटे के साथ नाश्ता किया। हम नाश्ता ही कर रहे थे कि मुझे कॉकरोच दिख गया। मैं घबरा गई। थोड़ी ही देर में पेट दर्द होने लगा। महिला ने बताया कि इसके बाद उन्हें और उनके बेटे को फूड पॉइजनिंग हो गई। एअर इंडिया की फ्लाइट में सफर करने में डर लग रहा महिला ने बताया कि उनकी फैमिली ज्यादातर एअर इंडिया में ही सफर करती है।

अमूल आइस्क्रीम में कनखजूरा निकलने का मामला

नोएडा में अमूल आइस्क्रीम में कनखजूरा निकलने के मामले में कंपनी का बयान सामने आया है। अमूल ने सोमवार (17 जून) को ग्राहक से वो आइसक्रीम का बॉक्स वापस मांगा है, जिसमें कनखजूरा निकला था। कंपनी का कहना है कि वो इस मामले की पूरी जांच कराना चाहती है। कई बार बहुत परेशानी झेली है, लेकिन अब कॉकरोच का मिलना कुछ ज्यादा ही बड़ी घटना है। अब हमें

एअर इंडिया के साथ सफर करने में डर लग रहा है। एअर इंडिया इंटरनेशनल फ्लाइट में खाने में ब्लेड मिली थी। इसी साल 16 जून को एअर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट में एक पैसेंजर के खाने में ब्लेड मिली थी। इसके बाद एअर इंडिया ने माफी मांगी थी। दरअसल, मैथुरेस पॉल नाम का पैसेंजर एअर इंडिया की फ्लाइट से बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जा रहा था। जब उसे खाने में ब्लेड मिली तो उसने सोशल मीडिया पर दो फोटो शेयर कीं। पॉल ने लिखा, 'एअर इंडिया का खाना चाकू की तरह काट सकता है। भुने हुए शकरकंद और अंजीर चाट में एक मेटल का टुकड़ा मिला, जो ब्लेड जैसा दिख रहा था। मुझे इसका एहसास कुछ सेकेंड तक खाना चबाने के बाद ही हुआ। शुक्र है, मुझे कोई नुकसान नहीं हुआ। बेशक, इसका दोष पूरी तरह से एअर इंडिया की कैटरिंग सर्विस पर है। क्या होता अगर मेटल का टुकड़ा किसी बच्चे को परोसे गए खाने में होता? पहली फोटो में वह मेटल का टुकड़ा दिखाया गया है, जिसे मैंने थूक दिया और दूसरी तस्वीर में वह खाना दिखाया गया है, जो मुझे सर्व किया गया था।

डॉक्टरों की निगरानी में इच्छामृत्यु को लेकर गाइडलाइन

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाए या नहीं, चार शर्तों से तय होगा

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु यानी गंभीर रूप से बीमार मरीजों का लाइफ सपोर्ट हटाने को लेकर नई गाइडलाइन का ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि डॉक्टरों को कुछ शर्तों को ध्यान में रखकर बेहद सोच-समझकर ये फैसला लेना होगा कि मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाना चाहिए या नहीं। गाइडलाइन्स में चार शर्तें तय की गई हैं, जिनके आधार पर यह फैसला लिया जाएगा कि लाइफ सपोर्ट को रोकना मरीज के हित में उचित है। यह तब किया जाएगा जब यह साफ हो कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज को लाइफ सपोर्ट से कोई फायदा होने की संभावना नहीं है, या लाइफ सपोर्ट पर रखने से मरीज की तकलीफ बढ़ने और गरिमा को नुकसान पहुंचने की संभावना हो। आईएमए अध्यक्ष बोले- इन गाइडलाइन से डॉक्टर तनाव में आएंगे सरकार की इन गाइडलाइन्स को लेकर मेडिकल फ्रेटरनिटी में असंतोष देखा जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. आर.वी. अशोकन ने कहा कि ये दिशा-निर्देश डॉक्टरों को कानूनी जांच के दायरे में लाएंगे और उन पर तनाव डालेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे क्लिनिकल फैसले डॉक्टर्स नेक-नीयत से लेते हैं। ऐसे हर केस में मरीज के परिजन को स्थिति समझाई जाती है और पूरी जानकारी दी जाती है। हर पहलू पर अच्छे से गौर करने के बाद ही फैसला लिया जाता है। ऐसी गाइडलाइन बनाना और कथित तौर से ऐसा दावा करना कि डॉक्टर गलत फैसले लेते हैं या फैसले लेने में देर करते हैं, ये हालात को गलत तरीके से दिखाने की बात है। पहले यह नजरिया और धारणा ही गलत है कि बिना मलतब के ही मशीनों का इस्तेमाल किया जाता है और इससे जिंदगी को बढ़ाया जाता है। इससे डॉक्टर कानूनी जांच के दायरे में आ जाएंगे। डॉक्टर-मरीज के रिश्ते में जो कुछ भी बचा है, उसे काले-सफ़ेद दस्तावेजों के चार कोनों में परिभाषित करना, जिसे बाद में कानूनी तौर पर जांच परखा जाएगा, इससे डॉक्टर स्ट्रेस में आ जाएंगे।

खड़े हाइवा में घुसी बस, 9 लोगों की मौत

मैहर में हादसा, 24 घायल, जेसीबी और गैस कटर से बस काटकर यात्रियों को निकाला

■ संजीवनी टुडे

सतना। मध्यप्रदेश के मैहर में शनिवार देर रात एक यात्री बस सड़क किनारे खड़े हाइवा से टकरा गई। इस हादसे में एक चार साल के बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो गई। जबकि 24 लोग घायल हो गए। जिन्हें मैहर, अमरपाटन और सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा शनिवार रात करीब 10.30 बजे नादन देहात थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे नंबर 30 पर हुआ। बताया जा रहा है कि आभा ट्रैवल्स की स्लीपर कोच बस प्रयागराज से रीवा होते हुए नागपुर जा रही थी। बस काफी रफ्तार में थी। तभी चौरसिया ढाबा के पास सड़क किनारे खड़े हाइवा से जा टकराई। बस 53 सीटर थी, जिसमें 45 यात्री सवार थे। हादसे की सूचना पर नादन और मैहर पुलिस के साथ ही एसडीएम मैहर विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल और मैहर एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल मौके पर पहुंच गए और रेस्क्यू शुरू किया। एक ही एंबुलेंस कई चक्कर लगाती रही। हालांकि बाद में अन्य एंबुलेंस आई। कुछ लोगों को पुलिस वाहनों से भी अस्पताल पहुंचाया गया।

जेसीबी की मदद और गैस कटर से बस काटकर निकाले फंसे यात्री

हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पूरी तरह से पिचक गई, जिससे कई यात्री बस में ही फंस गए। रेस्क्यू में जेसीबी की मदद भी लेनी पड़ी। साथ ही गैस कटर से बस का दरवाजा काटकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। रात करीब 2 बजे रेस्क्यू कार्य पूरा हुआ। हादसे के बाद

पुलिस-प्रशासन के साथ ही मौके पर मौजूद लोग भी रेस्क्यू में जुट गए। टक्कर इतनी तेज थी कि बस पूरी तरह से पिचक गई, जिससे कई यात्री बस में फंस गए। जेसीबी की मदद से बस में फंसे यात्रियों का रेस्क्यू किया गया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे और लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इस हाइवा से टकराई बस। टक्कर के बाद हाइवा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे का शिकार बस का नंबर ठघ् 72 इ ड्ड4952 है। ये प्रयागराज से रीवा होकर नागपुर जा रही थी। गैस कटर से बस का गेट काटकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायलों को मैहर और सतना के अस्पताल ले जाया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान शुरुआत में समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने से परेशानी का सामना करना पड़ा।

खबरें फटाफट

टहला से दो खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

■ संजीवनी टुडे

टहला। राजगढ़ उपखंड राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टहला के दो छात्रों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हुआ है ।प्रधानाचार्य नंदकिशोर मीणा ने बताया कि 68 वीं जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता देसुला , रामगढ़ में सम्पन्न हुई। जिसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टहला के खिलाड़ी अक्षय गुर्जर व पंकज वर्मा का राज्य स्तर पर चयन होने पर विद्यालय में दोनों खिलाड़ियों तथा कोच रामस्वरूप सैनी का मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया।

पंचम कोरोना कप क्रिकेट प्रतियोगिता -2024 का पोस्टर विमोचन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक सम्पूर्ण राजस्थान के नर्सिंग व पैरामेडिकल कैडर का जगतपुरा में नैना क्रिकेट एकेडमी ,क़रोल क्रिकेट एकेडमी एवं आज़ाद क्रिकेट ग्राउंड में खेल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है । इस आयोजन जुड़े मनोज दुब्बी ने बताया कि पोस्टर विमोचन की कड़ी में जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य एवम नियंत्रक डॉ दीपक माहेश्वरी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुशील भाटी ,उपाधीक्षक डॉ संजय सिंह शेखावत, उपाधीक्षक डॉ मनोज शर्मा,मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सुरेश कुमार मीणा,नर्सिंग अधीक्षक यूसुफ खान,डॉ नवल सिंह ,सुख लाल मीणा द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन किया गया।इस दौरान प्रतियोगिता के आयोजनकर्ता व टीम से महेंद्र कुमार कुड़ी, हरि सिंह भाटी, मनोज दुब्बी,शादाब आलम, सुरेश मीणा, सत्यप्रकाश, कुलदीप सिंह राजावत मौजूद रहे।

प्रिंसिपल के ट्रांसफर आदेश पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जिले के कोटखावदा ब्लॉक की स्कूल में कार्यरत एक प्रिंसिपल के ट्रांसफर से जुड़े मामलें की याचिका की हाई कोर्ट ने सुनवाई कर उसके ट्रांसफर आदेश पर रोक लगा दी है साथ ही स्कूल शिक्षा के प्रमुख शासन सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक को नोटिस जारी कर मामलें में जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता संगीता नरुका के अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थी स्कूल शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक 26 अगस्त को आदेश जारी कर प्रार्थियां का ट्रांसफर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोडक स्टेशन ब्लॉक खैराबाद जिला कोटा में कर दिया गया है। अधिवक्ता कलवानिया ने दलील दी कि विभाग ने प्रार्थियां का ट्रांसफर बिना प्रशासनिक आवश्यकता के किया है। जो अनुचित एवं विधि विरुद्ध है। इसलिए ट्रांसफर आदेश पर रोक लगाई जाए। इस पर हाई कोर्ट ने प्रार्थियां के ट्रांसफर आदेश पर रोक लगाकर राहत दी है।

स्वच्छता ही सेवा 2024 के तहत जिला परिषद कार्यालय में हुआ सफाई अभियान

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशन में 17 से 2 अक्तूबर तक चल रहे स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत जिला कलक्टर अंकित सिंह के निर्देशन में शनिवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया के नेतृत्व में जिला परिषद ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ एवं पंचायत प्रकोष्ठ के साथ जिले के ब्लाकों एवं ग्राम पंचायत कार्यालयों में अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा कार्यालय के अंदर और बाहर साफ सफाई करते हुए परिसर को स्वच्छ रखने की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर सीईओ और एसीईओ ने स्वयं श्रमदान करते हुए परिसर की सफाई की इस अवसर पर निजी सहायक महेश पवार, खुशपाल परमार, स्वच्छ भारत मिशन के मनोज दशोरा, नरेश यादव, पवन दवे, महेश जोशी, कौशिक लोधावरा, चंद्रेश मोदी, धर्मेंद्र, सुमन, अमजद शेख सहित कार्मिक उपस्थित रहे।

राज्य स्तर पर चयनित 15 विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

■ संजीवनी टुडे

फालना,पाली। 68 वी रायफल शूटिंग प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों का आज नोबल स्कूल के प्रांगण में मुख्य अतिथि बहादूर सिंह खालसा एवं संरक्षक सुधा गुर्जर एवं समाजसेवी अमित मेहता की उपस्थिति में संपन्न हुआ इस अवसर पर मुख्य अतिथि खालसा ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा जो व्यक्ति दूसरों का सम्मान करता है,उसका सभी लोग बहुत सम्मान करते हैं।

एसके मेडिकल कॉलेज सीकर में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को बकाया वेतन का भुगतान अविलंब किया जाए: रेट

■ संजीवनी टुडे

सीकर। एसके मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल सीकर में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नही करने के मामलें से जुड़ी छः अपीलों राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण(रेट) ने निस्तारण कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव, निदेशक, राजमेस के आयुक्त एवं एसके मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को निर्देश दिए है कि वह कमर्चारियों को उनके बकाया वेतन का भुगतान अविलंब किया जाए। प्रार्थी राजकिशोर शर्मा, दीन दयाल, राकेश दीक्षित, घनश्याम सिंह, श्योबक्स एवं सुरेंद्र शर्मा के अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि प्रार्थीगण सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त कार्मिक है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने पिछले साल विज्ञप्ति जारी कर सेवानिवृत्त कार्मिकों को संविदा पर लगाने के लिए प्रक्रिया शुरू की थी। जिसमें प्रार्थीगण ने पात्रता के अनुसार अलग अलग पदों के लिए आवेदन किए थे। इसके पश्चात मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने उन्हें नियुक्ति दे दी गई और उन्होंने कार्यग्रहण कर लिया लेकिन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने उन्हें बिना कारण वेतन का भुगतान नही किया गया है। प्रार्थीगण ने वेतन के भुगतान करने की मांग को लेकर अनेक बार उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र भी दिए लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नही की गई। इससे व्यथित होकर प्रार्थीगण ने वेतन का भुगतान करने की मांग को लेकर अधिकरण में अपील दायर की थी। कर्मचारियों की अपीलों पर अधिकरण ने 31 मई 2024 की सुनवाई में विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। इसके बावजूद भी विभाग ने मामलें में कोई जवाब प्रस्तुत नही किया गया। अधिवक्ता कलवानिया ने दलील दी कि अधिकरण के नोटिस के बावजूद कोई जवाब प्रस्तुत नही किया है। जो विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। मेडिकल कॉलेज ने कमर्चारियों के वेतन को रोकने का कोई कारण स्पष्ट नही किया है। इस पर अधिकरण के चेयरमैन विकास सीताराम भाले एवं सदस्य शुचि शर्मा की बेंच ने अपीलों का निपटारा कर नियुक्ति आदेश में निर्धारित वेतन के अनुसार बकाया वेतन का भुगतान किया जाए। बिना कारण नही किया जा रहा वेतन का भुगतानः- अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया प्रार्थी गण की नियुक्ति चयन प्रक्रिया से हुई थी और नियुक्ति आदेश में वेतन का भी उल्लेख किया गया था। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने प्रार्थी गण को नियुक्ति के बाद कुछ महीनों का वेतन का भुगतान तो कर दिया लेकिन बाद में अब मेडिकल कॉलेज प्रशासन बिना कारण ही उन्हें वेतन का भुगतान नही कर रहा है। कर्मचारियों की अपीलों पर अधिकरण ने 31 मई 2024 की सुनवाई में विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। इसके बावजूद भी विभाग ने मामलें में कोई जवाब प्रस्तुत नही किया गया। अधिवक्ता कलवानिया ने दलील दी कि अधिकरण के नोटिस के बावजूद कोई जवाब प्रस्तुत नही किया है। जो विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। मेडिकल कॉलेज ने कमर्चारियों के वेतन को रोकने का कोई कारण स्पष्ट नही किया है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति ने लॉटरी निकाली

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा के तहत पंजीकृत आवेदकों की फाइनल लॉटरी शनिवार को जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी की मौजूदगी में निकाली गई। एनआईसी कार्यालय में डीओआईटी के कंप्यूटराइज्ड सॉफ्टवेयर के माध्यम से लॉटरी निकाली गई। देवस्थान विभाग, ऋषभदेव के निरीक्षक शिवराज सिंह राठौड़ ने बताया कि हवाई यात्रा के लिए कुल 2178 एवं रेल यात्रा के लिए 2177 आवेदन प्राप्त हुए। निर्धारित कोटा अनुसार 121 हवाई यात्रा व 606 यात्री रेल यात्रा की मुख्य सूची के लिए चयनित हुए। इसके बाद प्रतीक्षा, अतिरिक्त प्रतीक्षा सूची भी जारी की गई है, जिसे देवस्थान विभाग के पोर्टल पर जाकर देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि एक ही आवेदन में पति-पत्नी सहायक भी हो सकते हैं। उपलब्ध कोटे के अलावा प्रतीक्षा सूची भी निकाली गई है। चयनित आवेदकों के यात्रा में शामिल नहीं होने पर प्रतीक्षा सूची में शामिल यात्रियों को अवसर दिया जाएगा। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता, जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेक्टर ट्राली ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में बाइक सवार युवती समेत 15 वर्षीय बालक की मौत

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । यहां शनिवार को सांगानेर सदर इलाके के मीणा चौक में सरिए से भरी ट्रेक्टर -ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी गई थी और वहीं हादसे में बाइक सवार युवती समेत 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने टायर जलाकर रास्ता जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन किया गया है और उन्होंने वाटिका रोड मीणा चौक के पास हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई है। और वही सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर मामला शांत कराया गया था और बताया गया है कि वाटिका निवासी मोना शर्मा अपने पड़ोसी ओमप्रकाश के साथ बाइक से कॉलेज जा रही थी। मीणा चौक के पास पहुंचने पर सरिए से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया और टक्कर से बाइक सवार घायल हो गए थे दोनो घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनो को मृत घोषित कर दिया वही घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और रास्ता जाम कर दिया और उन्होंने सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया था और ग्रामीणों ने बताया कि मीणा चौक में अवैध अतिक्रमण कर रखा है। साथ ही यहां बेतरतीब तरीके से थड़ी -ठेले खड़े रहते है। इससे यहां आए दिन हादसे होते रहते है। उन्होंने मीणा चौक से अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी और मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश कर मामला शांत कराया वहीं पुलिस ने दोनो शव मोर्चरी में रखवाए है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वही जड़िया अधिकारी मौके पर पहुंचकर मीना चौक के आसपास क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण को हटाया गया है । वहीं पुलिस दोनों शवों का पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवा कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया है । वहीं मौके पर सांगानेर तहसीलदार , जेडीए अधिकारी, सांगानेर सदर थाना अधिकारी पूनम चौधरी ,चाकसू थाना अधिकारी राजूराम बामनिया, शिवदासपुरा थाना अधिकारी रणजीत सिंह, सांगानेर सदर थाना उपनिरीक्षक श्री चंद मीणा सहित पुलिस का जाब्ता मौके पर मौजूद रहा था ।

विद्यार्थियों के करियर निर्माण व शिक्षा के लिए समर्पित अंधेरी देवरी विद्यालय

■ संजीवनी टुडे

अजमेर। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना आसान नहीं होता है। इसके लिए कड़ी मेहनत और परिश्रम ही एक मात्र रास्ता है। पूर्व राष्ट्रपति और नामी शिक्षाविद स्व.डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि सपने वे नहीं होते जो आप सोते समय देखते हैं बल्कि वे होते हैं जिन्हें आप साकार करने के जुनून में सो ही नहीं पाते हैं। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अंधेरी देवरी ने ऐसे ही सपने को साकार करके पिछले सात वर्षों से भी अधिक समय में जो अपनी साख और भरोसा कायम किया है उसका सबसे बेहतर प्रमाण यहां के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा परिणाम में सफलता पाकर अपने जीवन को नई ऊंचाई देने वाले विद्यार्थी ही है। वरिष्ठ अध्यापक रामराज मीना ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए उचित और बेहतर मार्गदर्शन की जरूरत होती है। ऐसे दौर में सही दिशा दिखाने का काम उफनते समुद्र में भटकते जहाजों को दिशा और परामर्श देने वाला मसूदा ब्लॉक का पहला विद्यालय अंधेरी देवरी बना । प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया,उप प्रधानाचार्य सीपी पारीक व स्टाफ के प्रयासों से विद्यालय की हरितिमा आकर्षित करती है....नया विद्यालय भवन अभी निर्माणाधीन है विद्यार्थियों के लिए खेल मैदान, प्रार्थना स्थल, विद्यार्थियों के अन्तर्गत छिपी प्रतिभा को बाहर लाने के लिए खेलकूद के संसाधन,स्टेज आदि स्थापित किए जा रहे हैं।विद्यालय में विद्यार्थियों को प्रकृति की महत्ता को अवगत कराने के लिए विद्यार्थियों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया जाता है।राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अंधेरी देवरी में जैसे ही आप प्रवेश करेंगे तो अपने आप को अरावली पर्वत माला की गोद में पाएंगे। विद्यार्थी और अभिभावक यहां आकर के शीतल मंद सुगंधित वातावरण में अपने आप को पाकर के बेहद प्रसन्न होते हैं।शिक्षा और सामाजिक सरोकारों में राउमावि अंधेरी देवरी विद्यालय की पूरी टीम समर्पित है। विद्यालय में प्रिंसिपल जारोलिया सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं करते हैं। विद्यार्थियों के हित में उनके द्वारा बनाए गए सिद्धांतों की सर्वत्र प्रशंसा होती है। स्कूल में प्रत्येक विद्यार्थी का क्लास अनुसार टेस्ट होता है। अव्वल को प्रोत्साहन और कमजोर के प्रति ध्यान ही जारोड़िया का प्रमुख सिद्धांत है।प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया व उप प्रधानाचार्य सीपी पारीक प्रत्येक विद्यार्थी के घर सम्पर्क की योजना बनाते हैं।शाला परिवार प्रत्येक विद्यार्थी के व्यक्तिगत संपर्क में बने रहने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। अगर विद्यार्थी दो दिन से अधिक समय तक अनुपस्थित रह जाता है तो टीम के सदस्य विद्यार्थी के घर पहुंच सकें। विद्यार्थियों के हित में यह कार्य योजना/प्रणाली अभिभावकों को बीच एक संपर्क कड़ी में मददगार साबित होगी।विद्यालय स्टाफ प्रत्येक विद्यार्थियों के अध्ययन में एक कोच की भांति कार्य करते हैं ताकि विद्यार्थियों का स्वर्णिम भविष्य बन सके और उनके अभिभावकों के सपने साकार हो सके।

मझवार समाज के मंदिर का अस्तित्व खतरे में देख धरना प्रदर्शन कर दिया विरोध

■ संजीवनी टुडे

अयोध्या, यूपी। श्री राम जानकी पंचायती मांझी मन्दिर (मझवार) प्राचीन मांझी मझवार समुदाय का आस्था का मंदिर है। परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण में सड़क से केवल मंदिर के तरफ ही पी0डब्लू0डी0 के अधिकारियों द्वारा नाप दिनांक 08.09.2024 को की गयी है और बताया गया कि केवल मांझी मंदिर के तरफ ही चौड़ीकरण किया जायेगा। सड़क के दूसरे तरफ कंचन भवन है उस तरफ चौड़ीकरण हम लोग नही करेगें, कंचन भवन को हमे बचाना है ऐसा उच्च अधिकारियों का आदेश है, जबकि पूर्व में चौड़ीकरण हेतु नाप किया गया था तो सड़क के बीच से कंचन भवन के तरफ व मांझी मंदिर के तरफ चिन्हांकन किया गया था किस तरफ कितना जाना है दीवाल पर कंचन भवन व मांझी मंदिर पर लिखा गया था जो आज भी विद्यमान हैं। श्रीमान जी नियमानुसार सड़क के बीच से दोनो तरफ 10 1/2 मीटर चौड़ीकरण होना है। पी0डब्लू0डी0 के अधिकारी दबाव में मांझी (मझवार) मंदिर के अस्तित्व खत्म करने के लिए जबरदस्ती एक ही तरफ 21 मीटर नाप कर पुरातत्व मंदिर को गिरा कर चौड़ीकरण करने पर आमादा है जो नियम व कानून के विरूद्ध है। पूर्व में कई प्रार्थना पत्र दिया गया जिसका अभी तक समुचित निस्तारण नही किया गया। उक्त परिस्थिति में नियमानुसार सड़क के दोनो तरफ चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक है। जिससे मांझी (मझवार) मंदिर का अंश बच सके व समाज उसको नवीनीकरण कर पूजा-पाठ की व्यवस्था कर सकें। यदि मंदिर का सम्पूर्ण अंश या मंदिर पूजा-पाठ लायक व भूमि नही बचती है तो मांझी मझवार समुदाय को मंदिर बनाने हेतु भूमि दिया जाना आवश्यक है। जिससे समुदाय मंदिर का निर्माण कर मंदिर में स्थापित ठाकुर रामजानकी को दूसरे जगह मंदिर बनवाकर स्थापित कर पूजा-पाठ कर सकें। मंदिर की जमीन देने के एसडीएम सदर महोदय, अयोध्या ने समाज के अध्यक्ष को तहसील बुलाया वार्ता करने के लिए समाज के लोग एसडीएम से मिलने आये।

अनेक कलाकारों ने सजाया स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के गाए गीतों का गुलदस्ता

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान के संस्थान परिसर में चल रहे तीन दिवसीय संगीत समारोह के दूसरे दिन शनिवार को स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की याद में गीतों भरी शाम संजोई गई। गिटारिस्ट वत्सल अनुपम के निर्देशन में सजी गीतों की महफिल में स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के गाए गीतों का गुलदस्ता अनेक बाल व युवा कलाकारों ने अपनी आवाज से सजाया। कलाकारों ने लताजी के गाए हर जोनर के गीतों को सुर, लय और ताल की उम्दा बानगी के साथ पेश कर मौजूद अनेक श्रोताओं के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम में प्रियंका, योगिता ने दिल दीवाना...,गर्विता मंगल व गौरव गुप्ता ने परदेशिया ये सच है पिया..., जगदीश जीनगर ने तेरे नयना क्यूं भर आए..., वनिता हीरानी ने अजीब दास्तां है ये..., प्राजक्ता जायसवाल ने घर आजा घिर आई बदरा..., कशिश कंवर ने उनको ये शिकायत है..., रियाशीं अग्रवाल ने जाने क्या बात है... विमर्श स्वामी ने रोज शाम आती थी..., देवना शाह ने जाने कैसे कब कहां..., तन्विका दीक्षित ने मेरे नसीब में..., भूमिका राठौर ने वो है जरा खफा..., जीनस कंवर ने आपकी नजरों ने..., माही ने बीती ना बिताई...और जयती कुमारी ने किसी राह में... जैसे सुपरहिट गीतों को सुरीले अंदाज में पेश कर माहौल को मेलॉडियश बना दिया। इस प्रकार रजनी कुमावत, पीडी गुप्ता, अदित्रि मुखर्जी, गीत शर्मा, हिमांशु वर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह, सोनू सोनी, सुमित्रा अग्रवाल प्रीति प्रधान ने भी गीत सुनाए। वहीं आलिया, प्रिया, अग्रवाल, नीत खत्री, राघव सैनी, अमायरा, अभिराम, आइना ने इस्ट्रूमेंटल ऑकेस्ट्रा की आकर्षक प्रस्तुति दी। वहीं सृष्टि व मिशा खण्डेलवाल ने युगल गीत गाए। अकॉर्डियन पर सुलेमान,तबले पर दिलशाद, ऑक्टोपैड पर वरुण जांगिड़, गिटार पर दिशा शर्मा व देवांक गुप्ता और हारमोनियम पर हरीश नागौरी ने दमदार संगति की। संचालन इशिता मीना ने किया।संस्थान सचिव अमित अनुपम ने बताया कि समारोह के आखिर में 29 सितंबर को शाम 5.30 बजे संस्थान परिसर में ही कलाकार दौलत सिंह का शास्त्रीय गायन होगा।

प्रदेश में सभी 5.34 लाख मतदाताओं का सत्यापन हुआ

■ संजीवनी टुडे

जयपुर-डूंगरपुर। राजस्थान में मतदाता सूचियों में नए नाम जोड़ने, संशोधन कराने तथा विसंगतियां दूर करने का कार्य जारी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कार्यक्रम 2025 के तहत पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के अंतर्गत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर सर्वे का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने बताया कि एसएसआर-2025 कार्यक्रम के तहत घर-घर सर्वे के दौरान राज्य के सभी 33 निर्वाचन जिलों में सभी 5.34 लाख मतदाताओं का सत्यापन किया जा चुका है. मतदाता सूचियों एवं पहचान पत्रों (एपिक कार्ड) में मतदाताओं के नाम आदि में त्रुटियों के संशोधन के साथ ही मतदाताओं के नए नाम अब भी जोड़े जा रहे हैं. साथ ही, मतदाता सूचियों में नाम, पते और फोटो के आधार पर दोहरी प्रविष्टियों को हटाया जा रहा है। महाजन ने जानकारी दी कि अब तक विभाग को मतदाता सूचियों में नाम जुड़वाने के लिए विभिन्न माध्यमों से 7.21 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। सबसे अधिक आवेदन जयपुर और जोधपुर जिलों में मिले हैं।

हेलो गोदरेजः फसल सुरक्षा के लिए गोदरेज एग्रोवेट द्वारा शुरू की गई कृषि परामर्श हेल्पलाइन

■ संजीवनी टुडे

हनुमानग़ढ। भारत के सबसे बड़े तथा विविधीकृत खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय समूहों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) ने हाल ही में एक बहुभाषी कृषि परामर्श हेल्पलाइन, 'हेलो गोदरेज' शुरू करने की घोषणा की। यह हेल्पलाइन पर फोन करने से फसल सुरक्षा के लिए फौरन विशेषज्ञता पूर्ण समाधान मुहैया कराया जाएगा। कंपनी कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है और ऐसे में देश भर के किसानों के लिए आठ क्षेत्रीय भाषाओं ऽ हिंदी, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, बंगाली, पंजाबी और अंग्रेजी में उपलब्ध यह नई पहल किसानों को ज़रूरत पड़ने पर उनके खेत पर या फोन पर मदद करेगी। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, बलराम सिंह यादव ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में किसान और इनका परिवार ही होता है। बेहतर पैदावार के लिए सही समय पर सही समाधान की उपलब्धता और उपयोग अनिवार्य है, ''हैलो गोदरेज'' हमें वास्तविक समय में व्यक्तिगत समाधान प्रदान करके किसानों और कृषि विशेषज्ञों को जोड़ने में मदद करेगा। जलवायु में हो रहे बदलाव और कीटों के बढ़ते हमलों ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खेती में ऐसी लगातार बदलती परिस्थितियों के बीच, किसानों को नए फसल सुरक्षा समाधानों और उनकी पसंदीदा भाषा में व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना समय की मांग है। देश भर के किसान हैलो गोदरेज के जरिये अब हमारे कृषि विशेषज्ञों की टीम से सीधे सलाह ले सकते हैं। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड में फसल सुरक्षा व्यवसाय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजावेलु एनके ने कहा, हैलो गोदरेज पहल, कंपनी के भारतीय किसानों के लिए लाभदायक खेती की दिशा में सबसे भरोसेमंद भागीदार बनने के दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस पहल का उद्देश्य है, गोदरेज एग्रोवेट के व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर किसानों के साथ मज़बूत और भरोसेमंद रिश्ता बनाना, ताकि यह खेती से जुड़ी विश्वसनीय कृषि जानकारी के लिए भरोसेमंद स्रोत बन जाए और इस तरह कृषि क्षेत्र में कंपनी का नेतृत्व बढ़े।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से एनएचएम एमडी ने की कार्यक्रमों की समीक्षा,

■ संजीवनी टुडे

पाली। राज्य स्तर से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. भारती दीक्षित कार्यक्रमों की समीक्षा कर समयानुरूप मॉनिटरिंग के निर्देश प्रदान किये। उन्होंने आगामी 15 दिवस में लंबित कार्यों को पूर्ण करने लिए विभाग के जिला अधिकारियों को पाबंद किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा अधिकारी प्रोफ़ेशन को ध्यान में रखकर कार्य करें, टीम के साथ कार्य करें और गुणवत्ता पर ध्यान दें, कार्य को किए जाने के बाद रिपोर्ट को ऑनलाइन करने पर विशेष ध्यान दिया जाए जिससे भारत सरकार द्वारा मॉनिटरिंग करते दौरान प्रदेश की स्थिति को मजबूती मिल सके। निदेशालय से सैल वाइज प्रभारियों द्वारा आरसीएच कार्यक्रम के अंतर्गत मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, संपूर्ण टीकाकरण, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। इसी प्रकार हेल्थ सिस्टम एनआरएचएम के अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, कायाकल्प व क्वालिटी एश्योरेंस, वीएचएसएनसी, एक्रेडिटेड सोशल हेल्थ एक्टिविटीज, एमएमयू व एमएमबी इंटीग्रेटेड एम्बुलेंस, ब्लड सेल, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, पीसीपीएनडीटी, सिविल वर्क, ह्यूमन रिसोर्सेज, नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। वही वर्टिकल प्रोग्राम के अंतर्गत संचारी रोग और गैर संचारी रोग से संबंधित कार्यक्रमों की स्थिति और प्रगति की समीक्षा की। वीसी में जिला स्तर से सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल, डिप्टी सीएमएचओ डॉ विजेंद्र पाल सिंह चुंडावत, डीपीओ भवानी सिंह, डीएएम प्रवीण रानासारिया, डीपीसी- एनसीडी जितेंद्र परमार, डीपीसी-आशा कुलदीप गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

बिजली गिरने से गर्भवती समेत 2 की मौतः 12 साल का युवक गाय चराने गया था, महिला के साथ भैंस भी आई चपेट में

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर जिले के ऋषभदेव तहसील में शुक्रवार शाम को दो अलग-अलग घटनाओं में एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई। उदयपुर जिले के ऋषभ देव तहसील के पास शुक्रवार की शाम को बिजली गिरने से अलग-अलग इलाकों में एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई। यह घटना क्षेत्र के कोजावाडा और परेडागांत दर्द। कोजावाड़ा और परेड़ा गांव हुई। ग्रामीणों के अनुसार शाम करीब चार बजे मौसम बदला और बिजली गिरने से कोजावाड़ा में 12 साल का गजेंद्र पुत्र नेमा मीणा की मौत हो गई। गजेंद्र गाय और बकरी लेकर जंगल में गया था और यह घटना हो गई। इसी प्रकार परेड़ा निवासी कैलाश कुंवर पत्नी अजीत सिंह (25) भैंस चराने गई हुई थी कि बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। यहीं नहीं पास ही भैंस पर भी बिजली गिरी जिससे उसकी भी मौत हो गई। बताते हैं कि महिला गर्भवती थी। दोनों का पोस्टमॉर्टम ऋषभदेव में कराया गया।

1 जनवरी को 18 वर्ष के होने वाले युवा जुड़वाएं मतदाता सूची में नामः प्राचार्य निनामा

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित उपचुनाव के लिए जिला प्रशासन की ओर से चुनाव पूर्व तैयारियां जोरों पर है। वहीं, उपचुनाव में मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप गतिविधियां भी परवान पर हैं। इसी कड़ी में शनिवार को जिले के सबसे बड़े राजकीय महाविद्यालय श्री भोगीलाल पण्ड्या, राजकीय महाविद्यालय में मतदाता जागरुकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. गणेश लाल निनामा ने कॉलेज विद्यार्थियों को स्वीप के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थी वोटर हेल्पलाइन एप या अपने क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवा सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने का डेमो दिया गया। स्काउट रोवर प्रभारी डॉ. निमेष कुमार चौबीसा ने वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने पिता का नाम, निवास स्थान में परिवर्तन आदि की जानकारी दी। कॉलेज विद्यार्थियों ने मतदान जागरुकता शपथ भी ली। इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, एनएसएस, स्काउट रोवर रेंजर एवं एनसीसी विंग के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. योगिता निनामा, विनय भादराज, एनसीसी प्रभारी हेमंत कुमार डामोर के सहयोग से मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई। रैली शहर के मुख्य मार्ग से गुजरती हुई पुनः महाविद्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ गौरी शंकर मीणा, डॉ परमेश्वर गर्ग, डॉ राजकुमार वाणावत, श्रीनिवास महावर, घटा व्यास, सीमा शकुनी, धर्मेंद्र कुमार वर्मा, रिचा भारदाज,जयेश गुप्ता, जयेश परमार आदि उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन तालुका विधिक सेवा समिति कानोड़ में आयोजन हुआ

■ संजीवनी टुडे

कानोड़। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उदयपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से न्यायालय परिसर कानोड़ में समस्त न्यायालयों में तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज हुआ । समिति अध्यक्ष ने बताया राष्ट्रीय लोक अदालत में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कानोड के 43 लंबित मामलों में तथा प्री-लिटिगेशन मामलों में पक्षकारों के बीच आपसी राजीनामें से निस्तारण कर अवार्ड जारी किया गया। लोक अदालत बैंच की अध्यक्षता वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कानोड मनिता प्रकाश के द्वारा कि गई, जिसमें बैंच सदस्य के रूप में रणजीत सिंह यादव तहसीलदार कानोड व अधिवक्ता दीपक जी जोशी मौजुद रहे। उक्त लोक अदालत में न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण व कानोड़ की बार का सहयोग रहा।

लोक चेतना मंच की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। लोक चेतना मंच की साधारण सभा की बैठक 27 सितंबर को न्यायालय परिसर के चेंबर न. 21 में आयोजित की गई बैठक में मुख्य रूप से मंच को विस्तार करने की योजना बनायी गई जिसमें ज़िले की सभी 12 तहसीलों पर मंच की कार्यकारिणी को गठन करने का निर्णय लिया गया जिस पर सभी सदस्यों के द्वारा मंच के विस्तार पर सहमति प्रदान की गई इसके साथ ही गत बैठक के मुद्दों पर विचार विमर्श कर अनुमोदन कर स्वीकार किया गया तथा यह प्रण लिया गया कि मंच जनहित के सर्व कल्याणकारी मुद्दों पर नित्य निरंतर क्रियाशील तथा प्रयासरत रहेगा उक्त बैठक में एडवोकेट प्रजीत तिवारी एडवोकेट विशाखा (सनाढय)तिवारी लक्ष्मी लाल कुमावत रोशन लाल कुमावत रतन लाल कुमावत बी आर वैष्णव शंकरलाल कुमावत राहुल बैरवा रंजन रोहिल्या राकेश ज़िटया ज़ोरावर सिंह श्रवण सिंह तथा अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे

डूंगरपुर जिले के 121 वरिष्ठ नागरिक हवाई जहाज से और 606 यात्री ट्रेन से करेंगे तीर्थ यात्रा

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा के तहत पंजीकृत आवेदकों की फाइनल लॉटरी शनिवार को जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी की मौजूदगी में निकाली गई। एनआईसी कार्यालय में डीओआईटी के कंप्यूटराइज्ड सॉफ्टवेयर के माध्यम से लॉटरी निकाली गई। देवस्थान विभाग, ऋषभदेव के निरीक्षक शिवराज सिंह राठौड़ ने बताया कि हवाई यात्रा के लिए कुल 2178 एवं रेल यात्रा के लिए 2177 आवेदन प्राप्त हुए। निर्धारित कोटा अनुसार 121 हवाई यात्रा व 606 यात्री रेल यात्रा की मुख्य सूची के लिए चयनित हुए। इसके बाद प्रतीक्षा, अतिरिक्त प्रतीक्षा सूची भी जारी की गई है, जिसे देवस्थान विभाग के पोर्टल पर जाकर देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि एक ही आवेदन में पति-पत्नी सहायक भी हो सकते हैं। उपलब्ध कोटे के अलावा प्रतीक्षा सूची भी निकाली गई है। चयनित आवेदकों के यात्रा में शामिल नहीं होने पर प्रतीक्षा सूची में शामिल यात्रियों को अवसर दिया जाएगा। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता, जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

छुट्टी के दिन सुबह से शाम तक जिलेभर में कार्मिकों ने तन-मन से की अपने-अपने कार्यालयों की साफ सफाई

कलेक्ट्रेट परिसर में कलक्टर ने अधिकारियों सहित श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। आमतौर पर शनिवार को राजकीय अवकाश होता है और अधिकारी-कर्मचारी अवकाश पर रहते हैं, लेकिन राजसमंद जिले में यह शनिवार कुछ अलग ही तस्वीर पेश कर रहा था। यहां सुबह से ही सभी सरकारी विभागों के शहर से लेकर गांवों तक समस्त कार्यालय छुट्टी के दिन भी सुबह से शाम तक खुले और अधिकारी-कर्मचारी हाथों में झाड़ू, पोंछा और अन्य सफाई के जरूरी सामान लेकर कार्यालय पहुंचे। कर्मचारियों ने अपने कार्यालयों को सुबह से लेकर दोपहर तक चकाचक साफ कर दिया, जिन फाइलों पर महीनों से धूल जमी थी वह साफ हो गई, कंप्यूटर चमचमाने लगे और सरकारी कार्यालयों के परिसर कुछ ही घंटे में अधिक स्वच्छ दिखाई देने लगे। दरअसल यह अभियान जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा की नई पहल 'माय ऑफिस, क्लीन ऑफिस' के तहत आयोजित किया गया था जिसके तहत जिले के सभी कार्यालयों में कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिले में पदभार संभालने के बाद से ही जिला कलक्टर श्री बालमुकुंद असावा ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु कई नवाचारों की शुरुआत की है। इनमें से उनकी एक नवीन पहल 'माय ऑफिस, क्लीन ऑफिस' अभियान की जिलेभर में सराहना हो रही है, जिसमें सरकारी कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों की सफाई में जुटे हुए हैं। कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने स्वयं इस अभियान में भाग लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में श्रमदान किया, जहां उन्होंने खुद साफ-सफाई कर जिले को स्वच्छता का संदेश दिया।

उन्होंने स्वयं हाथों में झाड़ू लेकर एडीएम, एसडीओ के साथ साफ सफाई की और कार्यालयों को साफ रखने का संदेश दिया। सुबह से ही कलक्टर यहां प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सफाई अभियान में जुट गए। ऐसा कर कलक्टर ने स्वच्छता को 'जन-जन का अभियान' बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर एडीएम श्री नरेश बुनकर, एसडीओ श्री बृजेश गुप्ता, नगर परिषद आयुक्त श्री बृजेश राय सहित कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। ऐसे ही सभी कार्मिकों ने मिलकर कलेक्ट्रेट परिसर को चंद ही क्षणों में स्वच्छ बना दिया, जिससे आमजन को भी प्रेरणा मिल रही है। कलक्टर कलेक्ट्रेट के विभिन्न कक्षों में भी पहुंचे और अभियान का पर्यवेक्षण किया। स्वच्छता अभियान के बाद, कलेक्टर श्री असावा ने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया, जहां कलेक्टर ने पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। परिसर में पौधे लगाकर उन्होंने पर्यावरण को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कलक्टर असावा जिला मुख्यालय पर आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम के पश्चात ग्राम पंचायत लाल मादड़ी पहुंचे, जहां 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत आयोजित महाश्रमदान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में सीईओ जिला परिषद श्री बृजमोहन बैरवा, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कार्मिक, ग्रामीण आदि भी मौजूद रहे। कलक्टर ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, और सभी को मिलकर गांव को साफ रखने के लिए सतत प्रयास करने चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। आमजन को संबोधित करने के बाद कलेक्टर ने यहां पौधारोपण किया एवं झाड़ू लगाकर, श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। कलक्टर को सफाई करता देख कार्मिक और स्थानीय लोग भी सफाई में जुट गए। कलेक्टर बालमुकुंद असावा की इन पहलों से जिले में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक नई ऊर्ज़ा का संचार हुआ है, और आमजन को भी इन अभियानों से प्रेरणा मिल रही है। स्वच्छता का मानव जीवन में अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होती है, बल्कि मानसिक और सामाजिक कल्याण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्वच्छ वातावरण हमें बीमारियों से बचाता है, क्योंकि गंदगी और अस्वच्छता कई प्रकार के संक्रमण और बीमारियों का कारण बनती हैं।

अभियान के तहत एलपीजी सिलेण्डरों के दुरूपयोग/अवैध रिफिलींग के विरूद्ध की गई कार्रवाई

■ संजीवनी टुडे

15 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 6 छोटी भट्टी की जब्त

पाली। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार 27 सितम्बर, 2024 तक सम्पूर्ण जिले में घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के दुरूपयोग/अवैध रिफिलींग इत्यादि के विरूद्ध संचालित प्रतिष्ठानों/दुकानों/गोदामों इत्यादि के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में शुक्रवार को अभियान के अंतिम दिन पाली जिले में गैस सिलेण्डरों का अवैध भण्डारण एवं रिफिलींग किया जाना पाये जाने पर महाकाल चौराहा उदयपुर रोड स्थित वीर मामोजी रेस्टोरेन्ट से 2 घरेलू गैस सिलेण्डर मय 1 छोटी भट्टी, हेमावास स्थित होटल गोरबन्द से 3 घरेलू गैस सिलेण्डर मय 1 छोटी भट्टी, नाडोल स्थित पूर्णिमा शुद्ध शाकाहारी भोजनालय से 2 घरेलू गैस सिलेण्डर मय 1 छोटी भट्टी, बाबा रामदेव होटल से 2 घरेलू गैस सिलेण्डर मय 1 छोटी भट्टी, चारभूजा रोड मैन चौराहा देसूरी स्थित भाग्यलक्ष्मी फास्ट फुड से 4 घरेलू गैस सिलेण्डर मय 1 छोटी भट्टी तथा देसूरी स्थित स्पाईसी बाइट रेस्टोरेन्ट से 2 घरेलू गैस

सिलेण्डर मय 1 छोटी भट्टी को जब्त सरकार किया गया। इस प्रकार कुल 15 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 6 छोटी भट्टी को जब्त सरकार किया गया। उक्त दोषियों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्यवाही की जा रही है। विभागीय निर्देशानुसार जिले में घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के दुरूपयोग/अवैध रिफिलींग इत्यादि के विरूद्ध संचालित प्रतिष्ठानों/दुकानों/गोदामों इत्यादि के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। इस दौरान संयुक्त जांच में प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार, जितेन्द्रसिंह आशिया एवं श्रीमती कृष्णा कंवर भाटी मौजूद रहे।

एनडीपीएस प्रकरण में 07 साल से फरार 5000 का इनामी वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। सदर निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने एनडीपीएस के प्रकरण में सात साल से फरार पांच हजार रूपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि स्थाई वांरटी/ भगोडे/ उद्घोषित अपराधी एवं वांछित अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत पर्वत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय और बद्रीलाल राव वृताधिकारी वृत निम्बाहेड़ा के सुपरविजन में थानाधिकारी संजय शर्मा के द्वारा एक टीम का गठन किया गया दिनांक 26 सितंबर 2024 को एएसआई सुन्दरपाल मय टीम को जरिये मुखबिर से सुचना मिली कि आरोपी सुरेन्द्र जो कि थाना सदर निम्बाहेडा के एनडीपीएस प्रकरण के मामले मे 7 साल से फरार चल रहा है जो अपने घर पर आया हुआ है इस पर

एएसआई सुन्दरपाल मय जाप्ता द्वारा बिना समय गवाएं तुरन्त थाने से रवाना हो जिला सीकर में सुरेन्द्र पिता रामदेवाराम मेघवाल उम्र 42 साल निवासी गोविन्दपुरा थाना फतेहपुर सदर जिला सीकर कि सकुनत पर पहुंच डीटेन कर थाने पर हमराह लाकर गिरफतार किया गया उक्त आरोपी के उपर पुलिस अधीक्षक चित्तौडगढ द्वारा 5 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है उक्त आरोपी पिछले सात वर्षों से फरार चल रहा है अभियुक्त से प्रकरण में अग्रीम अनुसंधान जारी है । पुलिस टीमः एएसआई सुन्दरपाल, कानि दयाराम आदि रहे।

तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत लोक में न्यायालय भीण्डर में दर्ज 76 लंबित प्रकरणों में तथा प्री-लिटिगेशन मामलों में पक्षकारों के बीच हुए आपसी राजीनामें

■ संजीवनी टुडे

बड़गाँव। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायाधिश मजिस्ट्रेट, भीडर में लंबित प्रकरणों व प्री-लिटिगेशन मामलों में आपसी राजीनामा द्वारा निस्तारण हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उदयपुर के निर्देशानुसार तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन तालुका न्यायालय भीण्डर में किया गया। लोक अदालत में न्यायालय भीण्डर में दर्ज 76 लंबित प्रकरणों में तथा प्री-लिटिगेशन मामलों में पक्षकारों के बीच आपसी राजीनामें से निस्तारण कर पंचाट (आवर्ड) जारी किए गये। लोक अदालत बेंच की अध्यक्षता सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहितास सिंह पंवार द्वारा कि गई एवं बैंच के सदस्य के रूप में उपखण्ड अधिकारी,भीण्डर रमेशचन्द्र बहड़िया एवं पैन अधिवक्ता के रूप में विकास जोशी मौजूद रहे। लोक अदालत में बिजली विभाग, बैंक आदि द्वारा अपने यहा ऐसे प्रकरणों जिनमें बिल एवं ऋण वसूली से संबंधित मामले को न्यायालय में परिवाद लाने के बजाय आपसी राजीनामे द्वारा सुलझा लिए गये। ऐसे सुलझाए गये मामलो में राशि 2.90,219 के पंचाट पारित किए गये। लोक अदालत में तालुका विधिक सचिव हेमराज सिहं कसाना एवं न्यायालय कर्मचारीगण दयाराम रेगर रीडर, अंकित चौधरी शेहरिश्तदार, बाबूलाल सैनी फैजदारी बाबू, किशनलाल जोशी, हीरालाल ओदिच्य एवं विजय छापरवाल आदि मौजूद रहें।

सागवाड़ा में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने की तैयारियों की समीक्षा

जिले के 10 ब्लॉक के 638 गांवों में 17 मंत्रालयों के 25 कार्यक्रमों को मिशन मोड में करेंगे पूरा

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत होगी। जिले के सागवाड़ा में पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान अभियान के तहत डूंगरपुर जिले के 10 ब्लॉक के 638 गांवों में 17 मंत्रालयों के 25 कार्यक्रमों और योजनाओं को मिशन मोड में पूरा कर जनजातीय बहुल गांवों और जनजातीय गांवों को बेहतर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने शनिवार को अभियान की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, जनजाति क्षेत्रीय विकास, रसद, बिजली, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, कृषि सहित अन्य विभागों की योजनाओं की क्रियान्विति की प्रगति की जानकारी ली और अभियान के तहत आवंटित लक्ष्यों को पूरा करने के रोडमैप पर चर्चा की। जिला कलक्टर सिंह ने विभागवार आवंटित लक्ष्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि

लक्षित समूह को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए माइक्रो लेवल पर प्लानिंग करते हुए एक भी पात्र लाभार्थी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उप निदेशक आईसीडीएस पंकज द्विवेदी ने बताया कि पोषण अभियान के तहत सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में उन्नयन के लिए 234 आंगनवाड़ी केन्द्रों को चिह्नित कर निदेशालय को प्रस्ताव भिजवाया गया है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत कृषि विभाग की डीबीटी योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए संयुक्त निदेशक कृषि (वि.) परेश कुमार पण्ड्या ने बताया कि जनजाति कृषकों को 42 किमी. पाइप लाइन वितरण, 76240 मीटर तारबंदी स्थापना और 45 कृषकों को कृषि यंत्र वितरण किया गया है। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 2 लाख 38 हजार 883 कनेक्शन जारी किए गए हैं। विद्युत विभाग की ओर से पुनर्निमित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत 4189 घरों में विद्युतीकरण किया गया है। बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, कृषि, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी विभिन्न योजनाओं की जानकारी और लाभ वितरण किया जाएगा। घूमन्तु अर्द्धघूमन्तु जातियों को पट्टे वितरण, स्वच्छता कर्मी सम्मान और सफाई अभियान का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़, उपायुक्त टीएडी डॉ. सत्यप्रकाश कस्वां सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान स्काउट गाइड ने डेढ़ किलोमीटर लंबी रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश, केरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रमदान कर की साफ सफाई

संभाग आयुक्त मेहता ने लिया शिविर का जायजा

■ संजीवनी टुडे

लूणदा। किंजल पब्लिक स्कूल लूणदा में चल रहे हिन्दुस्तान स्काउट गाइड के ध्रुव पद प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन स्काउट गाइड द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत शिविर स्थल से प्रसिद्ध केरेश्वर महादेव तक डेढ किलोमीटर लंबी स्वच्छता रैली निकाली गई । रैली को शिविर संचालक विशाल कुमार सैन, संभाग सचिव हिन्दुस्तान स्काउट गाइड मदन लाल वर्मा , निदेशक किंजल पब्लिक स्कूल लूणदा मांगीलाल सालवी,डिस्ट्रिक्ट ऑर्गेनाइजर गाइड शांता वैष्णव, जिला सह सचिव हिन्दुस्तान स्काउट गाइड उदय सिंह गुर्जर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । रैली विभिन्न मार्गों और चौराहों से गुजरते हुए स्काउट गाइड खोज और पहचान के चिन्ह तथा अनुमान लगाना आदि विधाओं का उपयोग कर महादेव मंदिर पहुंची। । महादेव दर्शन के पश्चात स्काउट गाइड द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई । स्काउट गाइड द्वारा मंदिर परिसर में साफ

सफाई व श्रमदान करके स्वच्छता का संदेश दिया। आज हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के संभाग आयुक्त गोपाल मेहता मेनारिया स्वच्छता रैली में सीधे केरेश्वर महादेव पहुंचे। रैली के बाद शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट एंड गाइड के आवासीय शिविरों द्वारा संबंधित कोर्स करवाने के साथ साथ बालक बालिकाओं में स्काउट के बनाए नियमों को अपने जीवन में उतारने का अभ्यास कराया जाता है। स्काउट एंड गाइड के शिविर हमें पुरानी भारतीय गुरुकुल पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने का अनुभव कराते हैं। उन्होंने बच्चों को मोबाइल के दुरुपयोग बताते हुए स्काउट गाइड की विधाओं को जीवन में उतारते हुए राष्ट्र सेवा के भावों को जागृत कर नर सेवा को नारायण सेवा मानकर कार्य करने का संकल्प दिलाया। बाद में शिविर स्थल पहुंचे और जायजा लिया और विधिवत शिविर संचालन पर खुशी जाहिर की। रैली के दौरान अनुराधा सोलंकी, तुलसी चंडात , जिला ट्रेनिंग काउंसलर कमल यादव, सुनील माहेश्वरी, योगा एंड मार्शल आर्ट कोच रुक्मणि लोहार, सोनम चुंडावत, दीपिका पटेल संतोष सालवी, भावना सेन, सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। शिविर में सांय कालीन सत्र में जिला संयुक्त सचिव हिंदुस्तान स्काउट गाइड ईश्वरी रैगर ने जीवन कौशल विषय पर वार्ता प्रस्तुत की । संभाग सचिव मदन लाल वर्मा ने अग्नि शमन की विधाओं पर जानकारी दी। रात्रि को कैंप फायर एक्टिविटी की गई।

68 वीं जिलास्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का समापन, मावली 17 वर्ष मे और पलानाकला 19 वर्ष मे फाईनल जीती

■ संजीवनी टुडे

मावली। मावली उपखण्ड क्षेत्र के पलाना कला गांव मे आयोजित पांच दिवसीय 68 वीं जिलास्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का समापन समारोह शुक्रवार को हुआ। फाईनल मैच मावली प/प धोल की पाठी 17 वर्ष के बीच हुआ।जिसमें मावली विजयी रही और 19 वर्ष पलाना कलां प /प ईसवाल के बीच हुआ, जिसमें फाईनल पलाना कलां विजयी रही।विजेता टीम का ढोल नगाड़े के साथ रैली निकाली गई,एवं ट्राफी के साथ सम्मान किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि चितोडगढ सांसद सीपी जोशी, विशिष्ट अतिथि स्थानीय निवासी अंजना सुखवाल एडिशनल एसपी उदयपुर, भामाशाह शांतिलाल मारु, दिनेश सुखवाल डिएसपी नाथद्वारा, पुर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत,प्रदेश ओबीसी मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य गणेश लाल कुम्हार, भाजपा मावली विधायक प्रत्याशी कृष्ण गोपाल पालीवाल, भाजपा विधानसभा संयोजक रोशनलाल सुथार, सरपंच नीतू जैन, भामाशाह मदन सिंह नाथद्वारा,

डबोक मंडल अध्यक्ष जीवन सिंह, फतहनगर मंडल अध्यक्ष राधेश्याम, बुथ प्रभारी प्रभारी प्रभुलाल खटीक, समाजसेवी मनोहर दुग्गड, मांगीलाल सुथार, चुन्नीलाल सैन, पवन जैन, दिनेश जाट, हेमराज तेली, सुनिल पोरवाल गणेश सुखवाल, भैरुलाल खटीक, घासा मंडल अध्यक्ष रतनसिंह कितावत, घासा मंडल महामंत्री पिंटू जोशी, पर्वत सिंह, जिला मिडिया सहसंयोजक मदन जाट, युवा मोर्चा जिला महामंत्री यशवन्त पुरोहित, पीईईओ कमलेश मालानी सहित विद्यालय स्टाफ एवं गांववासी मौजूद थे। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य योगदान भामाशाहो एवं ग्राम वासियों का रहा,उन सभी का सम्मान की गया।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

चरित्रहीनता की पराकाष्ठा है हनी ट्रैप मामले, कहाँ जा रहा है हमारा समाज!

हनी ट्रैप गिरोह से बरामद अश्लील वीडियो क्लिपिंग के आधार पर इस हनी ट्रैप में कथित रूप से एक पूर्व मुख्यमंत्री और कुछ पूर्व मंत्रियों समेत कई बड़े राजनेताओं के फंसे होने की बात कही जा रही है।जनमत का फलसफा यही है और जनमत का आदेश भी यही है कि राजनेताओं, प्रशासन एवं कानून व्यवस्था से जुड़े शीर्ष व्यक्तित्वों की पहचान पद से नहीं, चरित्र से हो। जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक सही अर्थों में लोकतंत्र का स्वरूप नहीं बनेगा तथा चरित्रहीनता किसी-न-किसी स्तर पर व्याप्त रहेगी। मध्य प्रदेश में हनी ट्रैप के जरिए ब्लैकमेलिंग करने वाले गिरोह का पर्दाफाश होने और इस मामले में पांच युवतियों व एक कांग्रेस नेता सहित सात लोगों की गिरफ्तारी कई मायनों में चिंताजनक है, राजनीति में चरित्र की गिरावट की परिचायक है। गिरोह से बरामद अश्लील वीडियो क्लिपिंग के आधार पर इस हनी ट्रैप में कथित रूप से एक पूर्व मुख्यमंत्री और कुछ पूर्व मंत्रियों समेत कई बड़े राजनेताओं के फंसे होने की बात कही जा रही है। कहा यह भी जा रहा है कि भाजपा सरकार में मंत्री रहे दो नेताओं से ये गिरोह लाखों रुपए वसूल कर चुका है और वर्तमान कमलनाथ सरकार के एक मंत्री के ओएसडी से भी दो करोड़ रूपए मांग रहा था। ''खेत कभी झूठ नहीं बोलता''- जो देंगे, वही वापस मिलेगा। कोई भी हो, सभी भारतीय समाज के हैं, अपने में से ही हैं, समाज के प्रतिबिम्ब हैं। समाज से भिन्न कल्पना भी मात्र कल्पना होगी। लेकिन हम कैसा समाज बना रहे हैं, यह चिन्तन का विषय है। चरित्र एवं नैतिकता को भूला देने का ही परिणाम है कि नित-नयी सनसनीखेज चरित्रहीनता, भ्रष्टता, असदाचार की घटनाएं सामने आती हैं और राजनीति से जुड़े चेहरों पर कालिख पुतते हुए दिखती है, जो न केवल शर्मसार करती है बल्कि राष्ट्रीय चरित्र को धुंधलाती है, इतना ही नहीं इस तरह के चरित्रहीन राजनेताओं के काले कारनामों की जासूसी और ब्लैकमेलिंग के लिए हनी ट्रैप का इस्तेमाल करने के लिये अनेक गिरोह सक्रिय है।

देश में गिरते चरित्र के कारण इन हनी ट्रैप के इस्तेमाल की घटनाएं बढ़ती जा रही है। हनी ट्रैप की घटनाओं का होना ही चिन्ताजनक नहीं हे बल्कि शीर्ष व्यक्तित्वों के चरित्र का दागी होना भी संकट का कारण है। हमारे देश का दुर्भाग्य है कि अब तक नेतृत्व चाहे किसी क्षेत्र में हो- राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, वह सुविधानुसार अपनी ही परिभाषा गढ़ता रहा है। न नेता का चरित्र बन सका, न जनता का और न ही राष्ट्र का चरित्र बन सका। सभी भीड़ बनकर रह गए और हनी ट्रैप के शिकार होते रहे। प्रश्न है कि कब तक लोकतंत्र को चरित्र से दुबला बनने दिया जाता रहेगा? कब तक हनी ट्रैप में नेतृत्व दागी होता रहेगा? इंदौर के पलासिया पुलिस थाने में ब्लैकमेलिंग का यह मामला दर्ज किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि एक महिला आरोपी से दोस्ती करने के बाद उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रही थी। महिला ने कुछ रिकर्डिंग भी कर ली थीं और तीन करोड़ रुपये की मांग की जा रही थी, मांगी गई रकम न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दे रही थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच की। उसके बाद तीन करोड़ की रकम में से पहली किस्त के तौर पर 50 लाख रुपये लेने इंदौर आई एक युवती के साथ दो अन्य को एक महिला व एक पुरुष को हिरासत में लिया गया। हनी ट्रैप की आशंका के बाद एटीएस ने जांच शुरू की। उसके बाद भोपाल से तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया। यह महिलाएं मीनाल रेसीडेंसी, कोटरा सुल्तानाबाद और रवेरा टाउन से पकड़ी गई हैं। तीनों हाई प्रोफाइल महिलाओं के राजनीतिक संबंध हैं। एक महिला तो पन्ना जिले से विधायक के आवास में किराए पर रहती है। ये महिलाएं कथित तौर पर राजनेताओं और उच्च रैंकिंग वाले सरकारी अधिकारियों का वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करती थीं। जासूसी और ब्लैकमेलिंग के लिए हनी ट्रैप का इस्तेमाल सदियों से होता आया है। यह कोई नई बात नहीं है। हनी ट्रैप का मतलब है जैसे कोई मक्खी शहद के लालच में उस पर बैठ जाए और जब शहद पीकर उड़ना चाहे तो उड़ न पाए। राजनीतिक लाभ, आर्थिक लाभ, अनुचित कार्यों को अंजाम देने के अलावा दुश्मन देश से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण दस्तावेज या खुफिया जानकारी जुटाने के लिए इसका इस्तेमाल प्रायः किया जाता है। कुछ माह पहले हनी ट्रैप के मामले में यह बात सामने आई थी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ी महिलाएं भारतीय सेना के जवानों से दोस्ती का स्वांग रचकर अहम जानकारियां जुटाने की फिराक में थी। दरअसल समाज में इन दिनों जिस तरह से चारित्रिक गिरावट बढ़ रही है, यह उसी का नतीजा है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ : जीवंत धर्म के प्रेरक

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

तीर्थंकर पाश्र्वनाथ भी उन धर्मनायकों एवं तीर्थंकरों में से ऐसे महापुरुष थे, जो धर्म नीतियों का प्रकाश संसार में लेकर आए और ऐसे जीवन मूल्यों की स्थापना की जिनके माध्यम से धर्म एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ। इस धर्म दर्शन में जीवन के इर्द-गिर्द छिपी बाहरी ही नहीं, भीतरी परछाइयां भी रोशनी बनकर प्रस्तुत होती है। अच्छाइयों की सही पहचान होती है, अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बनता। भगवान पार्श्वनाथ हमारे लिए वंदनीय है। वे हमारे जीवन दर्शन के स्रोत हैं, प्रेरक आदर्श हैं।

भाग्योदय में प्रयत्न और पुरुषार्थ से भी ज्यादा जरूरी होता है समय की सच्चाई के साथ जी सकने और स्वयं के अंदर छुपी अनंत संभावनाओं को उद्घाटित कर सकने का विश्वास। जिसे अपनी क्षमताओं पर विश्वास होता है वही धर्म का वास्तविक पात्र होता है। इसी वास्तविक और विशुद्ध धर्म को जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। भगवान पार्श्वनाथ अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर जन्मे। तब तापस परम्परा में वे क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका जीवन जहां तापस युग का अंत था तो दूसरे बौद्धिक साधना का प्रारम्भ। उनका जन्म आज से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था, जो इस वर्ष 8 जनवरी 2021 को है। उनके पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। राजा अश्वसेन वाराणसी के राजा थे। जैन पुराणों के अनुसार तीर्थंकर बनने के लिए पाश्र्वनाथ को पूरे नौ जन्म लेने पड़े थे। पूर्व जन्म के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः ही वे तेईसवें तीर्थंकर बने। पुराणों के अनुसार पहले जन्म में वे मरुभूमि नामक ब्राह्मण बने, दूसरे जन्म में वज्रघोष नामक हाथी, तीसरे जन्म में स्वर्ग के देवता, चैथे जन्म में रश्मिवेग नामक राजा, पांचवें जन्म में देव, छठे जन्म में वज्रनाभि नामक चक्रवर्ती सम्राट, सातवें जन्म में देवता, आठवें जन्म में आनंद नामक राजा, नौवें जन्म में स्वर्ग के राजा इन्द्र और दसवें जन्म में तीर्थंकर बने।

बचपन में पार्श्वनाथ का जीवन राजसी वैभव और ठाटबाठ में व्यतीत हुआ। जब उनकी उम्र सोलह वर्ष की हुई और वे एक दिन वन भ्रमण कर रहे थे, तभी उनकी दृष्टि एक तपस्वी पर पड़ी, जो कुल्हाड़ी से एक वृक्ष पर प्रहार कर रहा था। यह दृश्य देखकर पाश्र्वनाथ सहज ही चीख उठे और बोले - 'ठहरो! उन निरीह जीवों को मत मारो।' उस तपस्वी का नाम महीपाल था। अपनी पत्नी की मृत्यु के दुख में वह साधु बन गया था। वह क्रोध से पाश्र्वनाथ की ओर पलटा और कहा- मैं किसे मार रहा हूं? देखते नहीं, मैं तो तप के लिए लकड़ी काट रहा हूं। पार्श्वनाथ ने व्यथित स्वर में कहा- लेकिन उस वृक्ष पर नाग-नागिन का जोड़ा है। महीपाल ने तिरस्कारपूर्वक कहा- तू क्या त्रिकालदर्शी है? और पुनः वृक्ष पर वार करने लगा। तभी वृक्ष के चिरे तने से छटपटाता, रक्त से नहाया हुआ नाग-नागिन का एक जोड़ा बाहर निकला। एक बार तो क्रोधित महीपाल उन्हें देखकर कांप उठा, लेकिन अगले ही पल वह धूर्ततापूर्वक हंसने लगा। तभी पाश्र्वनाथ ने नाग-नागिन को णमोकार मंत्र सुनाया, जिससे उनकी मृत्यु की पीड़ा शांत हो गई और अगले जन्म में वे नाग जाति के इन्द्र-इन्द्राणी धरणेन्द्र और पद्मावती बने और मरणोपरांत महीपाल सम्बर नामक दुष्ट देव के रूप में जन्मा। इस घटना ने पाश्र्वनाथ की जीवन दिशा ही बदल दी और उनकी संसार के जीवन-मृत्यु से विरक्ति हो गई। उन्होंने ऐसा कुछ करने की ठानी जिससे जीवन-मृत्यु के बंधन से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके। वे सत्योपलब्धि की साधना में जुटें और जन-जन को रोशनी बांटी। बचपन से ही पार्श्वनाथ चिंतनशील और दयालु थे। पाश्र्व युवा हुए। इनका क्षत्रियत्व शौर्यशाली था। सभी विद्याओं में ये प्रवीण थे। एक बार अपने मामा की सहायता के लिए युद्ध किया। आक्रामक को इन्होंने परास्त कर, उसे बंदी बना अपने शौर्य का परिचय दिया। उन्होंने अपने समय की हिंसक स्थितियों को नियंत्रित कर अहिंसा का प्रकाश फैलाया। यूं लगता है पाश्र्वनाथ जीवन दर्शन के पुरोधा बनकर आये थे। उनका अतः से इति तक का पूरा सफर पुरुषार्थ एवं धर्म की प्रेरणा है। वे सम्राट से संन्यासी बने, वर्षों तक दीर्घ तप तपा, कर्म निर्जरा की, तीर्थंकर बने। जैन दर्शन के रूप में शाश्वत सत्यों का उद्घाटन किया। उनका संपूर्ण व्यक्तित्व एवं कृर्तित्व जैन इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। पार्श्वनाथ ने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने जीवन शुद्धि के लिए कठोर तप किया। उनके तप में सादगी थी और जीवन शुद्धि का मर्म था। वास्तव में तप वही है जिसके साथ न प्रदर्शन जुड़ा है और न प्रलोभन। इसमें न केवल उपदेश काम करता है और न अनुकरण। जीवन स्वयं एक तपस्या है। सुविधाओं के बीच सीमाकरण में रहना और अभावों के बीच तृप्ति को पा लेना भी तप है। प्रतिकूलताओं को समत्व से सह लेना, वैचारिक संघर्ष में सही समाधान पा लेना, इन्द्रियों को विवेकी बना लेना, मन की दिशा और दृष्टि को बदल देना भी तप है और ऐसे ही तप के माध्यम से पाश्र्वनाथ न केवल स्वयं तीर्थंकर बने बल्कि जन-जन में ऐसी ही पात्रता को उन्होंने विकसित किया। उनकी साधना की कसौटी थी- शुद्ध आत्मा में धर्म का स्थिरीकरण। बिना पवित्रता धर्म आचरण नहीं बन सकता। जैसे- मुखौटों में सच नहीं छिपता, वैसे ही वासनाएं, कामनाएं, असत संस्कार और असत व्यवहार धर्म को आवरण नहीं बना सकता। इसलिए उपासना के इस बिन्दु से जोड़े कि धर्म मंदिर या पूजा पाठ में नहीं, धर्म मन के मंदिर में हैं। पार्श्वनाथ ने अहिंसा का दर्शन दिया। अहिंसा सबके जीने का अधिकार है, उन्होंने इसे स्वीकृत किया। प्राचीन उद्घोष एक बार फिर से करते हुए उन्होंने जनता को संदेश दिया- 'सव्वे पाणा पियाउवा, सव्वे दुक्ख पडिकुला'- यानी सबको जीवन प्रिय है, दुख को कोई नहीं चाहता। पर हमने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण को नकार दिया।

तीर्थंकर पाश्र्वनाथ भी उन धर्मनायकों एवं तीर्थंकरों में से ऐसे महापुरुष थे, जो धर्म नीतियों का प्रकाश संसार में लेकर आए और ऐसे जीवन मूल्यों की स्थापना की जिनके माध्यम से धर्म एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ। इस धर्म दर्शन में जीवन के इर्द-गिर्द छिपी बाहरी ही नहीं, भीतरी परछाइयां भी रोशनी बनकर प्रस्तुत होती है। अच्छाइयों की सही पहचान होती है, अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बनता। भगवान पार्श्वनाथ हमारे लिए वंदनीय है। वे हमारे जीवन दर्शन के स्रोत हैं, प्रेरक आदर्श हैं। उन्होंने जैसा जीवन जीया, उसका हर अनुभव हमारे लिए साधना का प्रयोग बन गया। उन्होंने हमारे भीतर सुलभ बोधि जगाई, व्रत की संस्कृति विकसित की। बुराइयों का परिष्कार कर अच्छा इंसान बनने का संस्कार भरा। पुरुषार्थ से भाग्य बदलने का सूत्र दिया। क्योंकि हम कुछ होना चाहें और पुरुषार्थ न करें तो फिर बिना लंगर खोले रात भर नौका खेने वाले नादान मल्लाह की तरह असफलता हाथ आएगी। इसलिए उन्होंने कर्मवीर बनने का संदेश दिया। भगवान पार्श्वनाथ ने लगभग 70 वर्ष तक जनता को आलोक बांटा। 100 वर्ष की आयु में एक मास का अनशन करते हुए सम्मेद शिखर पर श्रवण शुक्ल अष्टमी को उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया। उनके जन्मदिवस के अवसर पर जरूरत है हम ऐसा संकल्प ले कि भगवान पार्श्वनाथ को सिर्फ शास्त्रों में ही न पढ़ें, प्रवचनों में ही न सुनें बल्कि पढ़ी और सुनी हुई ज्ञान-राशि को जीवन में उतारे तभी एक महाप्रकाश को अपने भीतर उतरते हुए देखेंगे। हम स्वयं पार्श्वनाथ बनने की तैयारी करें।

महाराजा अग्रसेन: आदर्श समाज के प्रयोक्ता

महाराजा अग्रसेन की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं है, उनका लोकहितकारी चिन्तन कालजयी है और वे युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे क्योंकि उन्होंने न केवल जनजीवन को बल्कि सभ्यता और संस्कृति को समृद्ध और शक्तिशाली बनाया। उनकी दृष्टि में सर्वोपरि हित सत्ता का न होकर समाज एवं मानवता का रहा। वे समाजवाद के प्रर्वतक, युग पुरुष, राम राज्य के समर्थक एवं महादानी थे। महाराजा अग्रसेन उन महान विभूतियों में से थे जो सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखायः कृत्यों द्वारा युगों-युगों तक अमर रहेंगे।

महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का सच्चा प्रणेता कहा जाता है। दुनिया में आज जिस समाजवाद की बात की जाती है उसको पांच हजार वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेन ने सार्थक कर दिखाया था। महाराजा अग्रसेन ने तंत्रीय शासन प्रणाली के प्रतिकार में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले हर व्यक्ति की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक निवासी उसे एक रुपया नगद व एक ईंट देगा, जिससे आसानी से उसके लिए निवास स्थान व व्यापार करने के लिये धन का प्रबन्ध हो जाए। उन्होंने पुनः वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। वे कर्मयोगी लोकनायक तो थे ही, संतुलित एवं आदर्श समाजवादी व्यवस्था के निर्माता भी थे। वे समाजवाद के प्रणेता, गणतंत्र के संस्थापक, अहिंसा के पुजारी व शांति के दूत थे। सचमुच उनका युग रामराज्य की एक साकार संरचना था जिसमें उन्होंने अपने आदर्श जीवन कर्म से, सकल मानव समाज को महानता का जीवन-पथ दर्शाया। उस युग में न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। वे एक प्रकाश स्तंभ थे, अपने समय के सूर्य थे।

महाराजा अग्रसेन अग्रवाल जाति के पितामह थे। धार्मिक मान्यतानुसार इनका जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की चैंतीसवी पीढ़ी में सूर्यवंशी क्षत्रिय कुल के प्रतापनगर के महाराजा वल्लभ सेन के घर में द्वापर के अन्तिमकाल और कलियुग के प्रारम्भ में आज से लगभग 5187 वर्ष पूर्व हुआ था। वर्तमान में राजस्थान व हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे प्रतापनगर स्थित था। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था, कि यह बहुत बड़ा राजा बनेगा। इसके राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और दूसरी ओर देशकाल के परिप्रेक्ष्य में नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। एक निश्चित आयु प्राप्त करने के बाद कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा जगत की उन्नति मूल रूप से जिन चार स्तंभों पर निर्भर होती हैं, वे हैं- आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व सामाजिक। अग्रसेनजी का जीवन-दर्शन चारों स्तंभों को दृढ़ करके उन्नत विश्व के नवनिर्माण का आधार बना है। लेकिन इसे समय की विडम्बना ही कहा जायेगा कि अगणित विशेषताओं से संपन्न, परम पवित्र, परिपूर्ण, परिशुद्ध, मानव की लोक कल्याणकारी आभा से युक्त महामानव महाराज अग्रसेन की महिमा से अनभिज्ञ अतीत से वर्तमान तक के कालखण्ड ने उन्हें एक समाज विशेष का कुलपुरुष घोषित कर उनके स्वर्णिम इतिहास को हाशिए पर डाल दिया है। वर्तमान में भी उनके वंशजों की बड़ी तादाद होने और राष्ट्र के निर्माण में उनका सर्वाधिक योगदान होने के बावजूद न तो उस महान्-शासक को और न ही उनके वंशजों को सम्मानपूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त हो पा रही है।

29 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1650	इंग्लैंड में पहले मैरिज ब्यूरो की शुरुआत हुई।
1789	अमेरिका के युद्ध विभाग ने स्थायी सेना स्थापित की।
1836	मद्रास चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की स्थापना हुई।
1911	इटली ने ऑटोमन साम्राज्य के ख़िलाफ़ युद्ध की घोषणा की।
1915	टेलीफोन से पहला अंतरमहाद्वीपीय संदेश भेजा गया।
1927	अमेरिका और मैक्सिको के बीच टेलीफोन सेवा की शुरुआत हुई।
1959	आरती साहा ने इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया।
1962	कोलकाता में बिड़ला तारामंडल खुला।
1971	बंगाल की खाड़ी में चक्रवातीय तूफान से करीब 10 हज़ार लोगों की मौत हुई।
1977	सोवियत संघ ने स्पेस स्टेशन साल्युत 6 को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया।
1970	मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर का निधन।
2000	चीन की मुन्चोनाक कोयला खान में 100 लोगों की मृत्यु।
2001	संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवाद विरोधी अमेरिकी प्रस्ताव पारित किया।
2003	ईरान ने यूरेनियम परिशोधन कार्यक्रम जारी रखने का निर्णय लिया।
2006	विश्व की पहली महिला अंतरिक्ष पर्यटक ईरानी मूल की अमेरिका नागरिक अनुशेह अंसारी पृथ्वी पर सकुशल लौटीं।
2009	अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज़ी फ़ेडरेशन की ताजा रैंकिंग में बिजेन्दर को 75 किग्रा0 में 2700 अंकों के साथ में पहला स्थान दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ पत्रकार बनने के चमत्कारी उपाय

विचार बिन्दु

सुमित्रा अग्रवाल

वास्तु शास्त्री

वो पत्रकार ही है जो अपने जान का जोखिम उठा कर सच्चाई को हमारे सामने लाते है। वो पत्रकार ही है जो दुर्गम रास्तो से जा कर युद्ध की , दंगो की, महामारी की, वारदातों की , विस्फोटो की खबर हम तक लाते है। जूनून और जस्बा एक पत्रकार को पत्रकारिता की ओर खींच कर ले आता है। एक और चीज़ है जो इन्हे अपनी ओर पकड़ कर ले आता है वह है इनकी जन्मपत्रिका। पत्रकारिता का स्वरुप निरन्तर बढ़ता जा रहा है और यही कारण है की उसके महत्व में अत्यधिक वृद्धि हुई है। छोटी से छोटी जगहों पर भी पत्रकार, संवादाता, ब्यूरो चीफ, एडिटर प्रिन्ट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की प्रगति, विस्तार, प्रसार हेतु उत्तम और प्रबल संचार माध्यम द्यद्धथदथ करने की कोसिस करते हैं,।

जहा एक तरफ निष्ठा, मेहनत और प्रयास है वही दूसरी तरफ इसका संचालन करने वाले उपयुक्त प्रभावशाली, सार्वभौमिक, सार्वलौकिक संचालन करने वाले प्रबुद्ध पत्रकारों की भी आवश्यकता है। आज का पत्रकार केवल प्रकाशन तक ही सिमित नहीं रह गया है बल्कि विद्युत संचालित उपकरणों के द्वारा विश्वव्यापी सभी देशों को, सभी वर्गों के व्यक्तियों को एक-दूसरे से जोड़ दिया है। आज चीन में जिनपिंग का हाउस अरेस्ट हो या अंकिता का हत्या कांड सूचना संचार माध्यमों द्वारा अविलम्ब समस्त विश्व में प्रसारित विस्तारित हो जाती है।

एक सफल पत्रकार की जन्मपत्रिका के लक्षण

जन्मपत्रिका में १२ भाव है और हर एक का अपना कार्य छेत्र है और ग्रहो की उपस्थिति और दृस्टि से चमत्कार होते है। ऐसा ही एक भाव है तृतीय भाव। पत्रकारिता में सफलता प्राप्त करने के लिए तृतीय भाव का शुभ ग्रहों के प्रभाव में होना अपेक्षित है।

क्यों है तृतीय भाव इतना महत्वपूर्ण

जैसा की मैंने सुरुवात में बताया जूनून ,जस्बा और मेहनत एक पत्रकार की विसेसता है ये तीनो गुण सशक्त तीसरे भाव से आते है।

तृतीय भाव किन चीजों का करक है

साहस, निर्भीकता, पराक्रम, धैर्य और विशेष कौशल का करक है तृतीय भाव । यहाँ तक की संचार, विचारों की अभिव्यक्ति,सूचना, अनुवाद और लिखने की योग्यता, व्याख्या करने का कौशल अथवा वस्तुस्थिति को व्यक्त करने की क्षमता भी इसी भाव से आता है।

आज के नवीनीकरण और बिजली से चलने वाले उपकरण, इंटरनेट, वाईफाई संचार के लिए महत्वपूर्ण है और इनके लिए द्वितीय भाव महत्वपूर्ण है।

एक सफल पत्रकार की जन्मपत्रिका में कौनसे संकेत मिलते है

बुध का शुभ ग्रहों के प्रभाव में होना, प्रबल होना तथा पापाक्रांत न होना भी अनिवार्य है। बुध प्रकाशन, लेखन, पत्रकारिता, संचार, भावों की अभिव्यक्ति, सूचना तथा प्रसारण आदि का कारक ग्रह है इसलिए पत्रकारिता के लिए बुध का महत्व सर्वाधिक है। बुध जितना प्रबल और शुभ ग्रहों के प्रभाव में होगा, जातक उतना ही योग्य, सफल और समर्थ पत्रकार होगा।बृहस्पति और बुध ऐसे ग्रहों के तृतीय भाव में स्थित होने पर जातक लेखन कार्य में दक्ष होता है। मंगल और बुध पत्रकारिता में सफलता प्रदान करने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण ग्रह है। हम जानते है की सहयोग के बिना कुछ भी संभव नहीं है।

ग्रहो की ऐसी कोई स्थिति है क्या जिसमे व्यक्ति निश्चित रूप से पत्रकार ही बनते है

यदि दशमेश बुध अथवा मंगल के नवांश तथा नक्षत्र में स्थित हो और बली हो, तो जातक पत्रकार ही बनते है।

एक सफल पत्रकार बनने के लिए इन तीन ग्रहो को साधे

मंगल, बुध और बृहस्पति को साधने से पत्रकार के जीवन में जो उछाल आएगा उसकी महज कल्पना ही की जा सकती है।

कैसे साधे ग्रहो को और अपना पंचम ऊंचा करे

हर ग्रह की जाप संख्या अलग है। जाप संख्या के अनुरूप ही जाप करने से उचित फल की प्राप्ति होगी ।

मंगल मन्त्र

अं अंगारकाय नमः ।

जाप संख्या १०००० करनी है मंगलवार के दिन करे।

बुध मन्त्र

बुं बुधाय नमः ।

जाप संख्या ८००० बुधवार के दिन करे।

गुरु नाम मन्त्र

बृं बृहस्पतये नमः ।

जाप संख्या १९००० गुरुवार के दिन करे।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

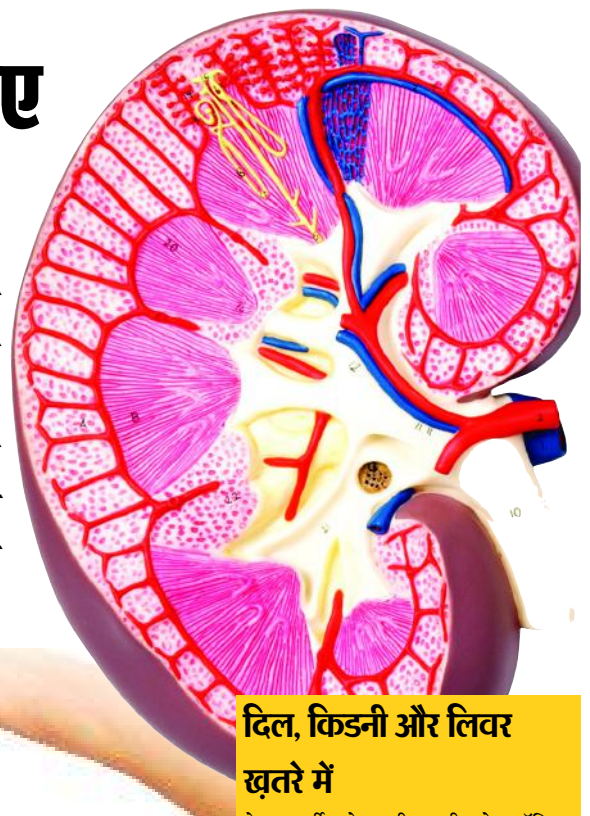

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

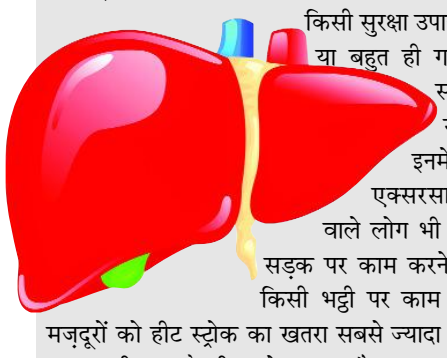

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

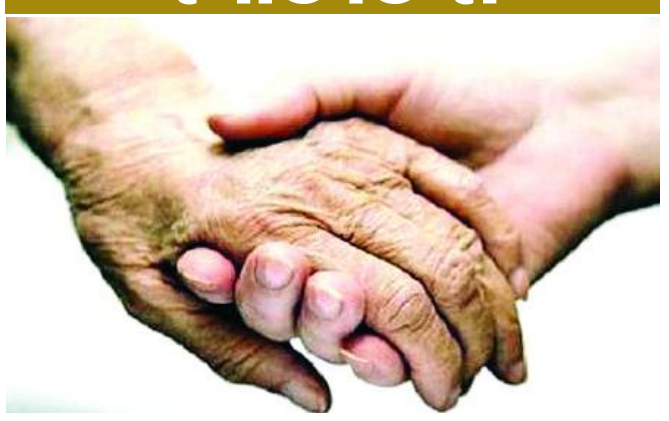

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

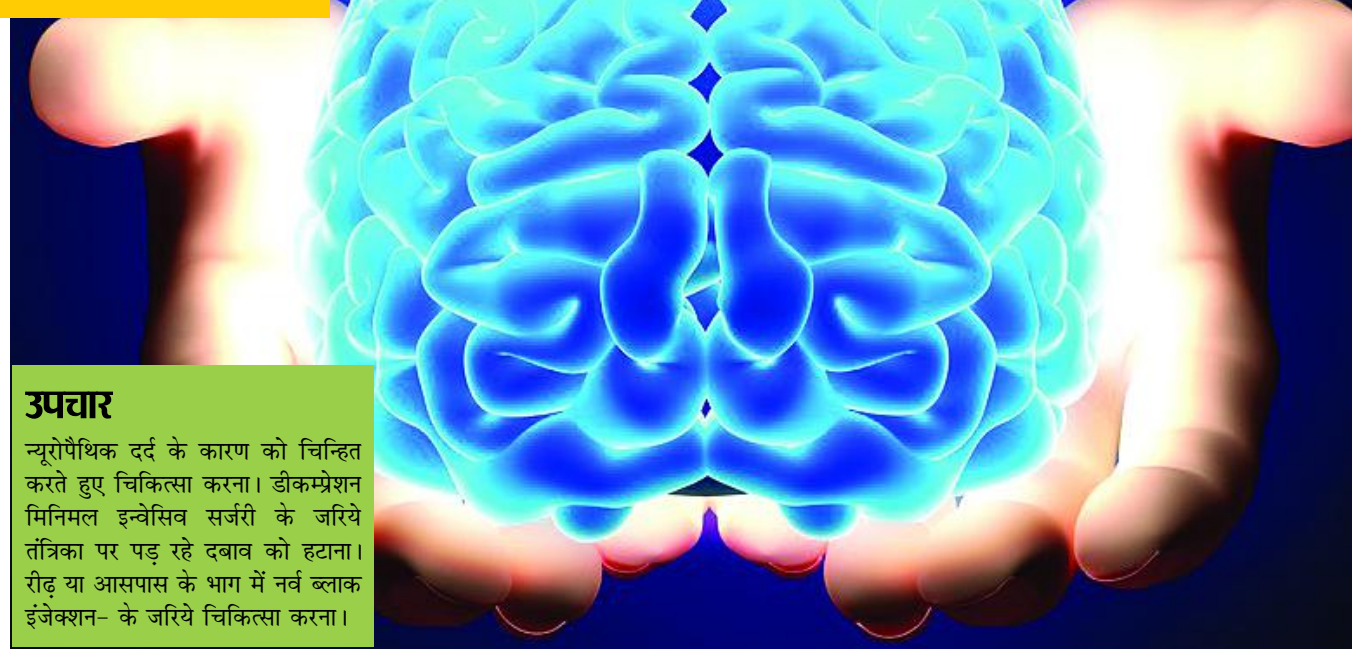

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

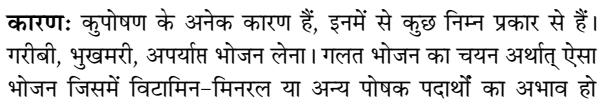

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

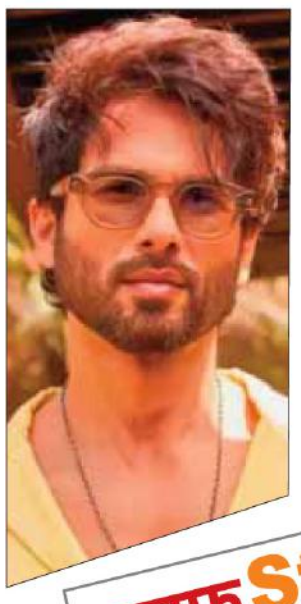

साउथ सिनेमा में काम करना चाहते हैं शाहिद

नई दिल्ली। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आने वाले अभिनेता शाहिद कपूर ने बताया कि उनकी दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करने की तमन्ना है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा) में शामिल हुए शाहिद कपूर ने मीडिया से दक्षिण भारतीय सिनेमा में काम करने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं दक्षिण भारतीय सिनेमा में काम करने के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे डर है कि अगर दक्षिण भारतीय दर्शक मेरी डायलॉग डिलीवरी से खुश नहीं हुए तो क्या होगा? मैं कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता, हिंदी पर तो मेरी अच्छी पकड़ है।'

लाइफ Style

कैटरीना

परिवार के संग रहना करती हैं पसंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री कैटरीना कैफ को काम के बिजी शेड्यूल के बीच में परिवार के साथ समय बिताना पसंद है। उनका मानना है कि इससे शांति और पूर्ण होने का एहसास होता है, जिससे सुकून मिलता है। कैटरीना ने परिवार और रिश्तों को लेकर कुछ खास बातें कही हैं।

अभिनेत्री कैटरीना कैफ बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। कैटरीना अक्सर कई मौकों पर अपने काम से जुड़े किस्सों, पति विक्की कौशल के साथ बिताए पलों और उनसे जुड़ी बातों को प्रशंसकों के साथ साझा करना पसंद करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वो अपने काम के बीच भी समय निकालकर अपने करीबियों और परिवार के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। यही पल उन्हें फिर से एनर्जी के साथ काम करने की ताकत देते हैं। कैटरीना ने एक इंटरव्यू में अपने काम और परिवार के बीच समय बिताने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जब आप लगातार काम करते हैं, तो निजी कामों के लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसी परिस्थिति में काम के साथ परिवार के लिए समय बिताना भी उतना ही जरूरी हो जाता है। जरूरी है कि हम अपने लिए समय निकालें। उस समय में हम अपना पसंदीदा काम करें या आराम करें। ऐसे पल हमें एनर्जी देते हैं। कई बार लोग कुछ सामान्य से पलों को अनदेखा कर देते हैं जबकि वो हमारे जीवन के लिए बहुत ही अमूल्य साबित हो सकते हैं'। मेरे लिए काम के साथ अपने लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल रहता है, लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि कुछ समय अपने लिए जरूर निकाल पाऊं।

हॉलीवुड मसाला

गिफ्ट में मिले कोल्डप्ले के टिकट

लॉस एंजिल्स। भारत में इन दिनों कोल्डप्ले काफी सुर्खियों में है। टिकट की वजह से बुक माय शो की वेबसाइट तक क्रैश हो गई है। लोग इस कॉन्सर्ट की टिकट लाखों तक में खरीदने को तैयार हैं। इसके बावजूद बहुत से लोग इसे नहीं खरीद पा रहे हैं। ऐसे में एक कपल को शादी के दौरान कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट के टिकट मिले। दुल्हन के माता-पिता ने जोड़े को कुछ अलग तोहफा देने की सोची थी। ऐसे में लड़की के माता पिता ने कपल को जनवरी में मुंबई में होने जा रहे कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट के टिकट दिए।

गलत एंगल से वीडियो बना रहे थे फैन्स...

लॉस एंजिल्स। कोलंबियन सिंगर शकीरा स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं। उस दौरान ऑडियंस में मौजूद लोग उनका गलत एंगल से वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। पहले तो उन्होंने लोगों से ऐसा करने से मना किया, लेकिन मना करने के बाद भी लोग नहीं माने, जिसके बाद उन्होंने स्टेज छोड़ दिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो अमेरिका के मियामी का है। वहां शकीरा अपने नए गाने सॉल्टेरा (**Soltera**) पर परफॉर्म कर रही थीं। ऐसी शर्मनाक हरकत करने वाले लोगों पर सोशल मीडिया यूजर्स भड़के नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'जो भी शूट कर रहा था उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'बहुत ही शर्मनाक।'

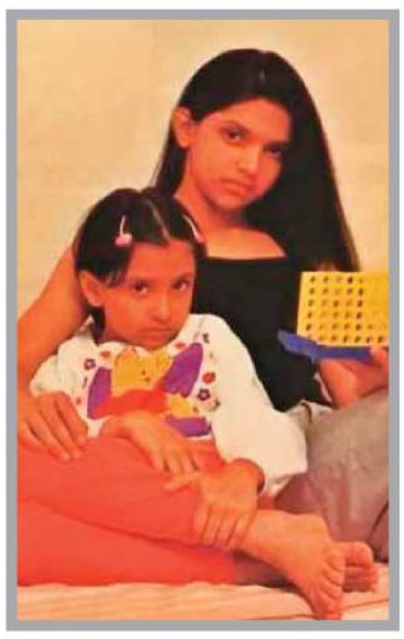

साझा की बचपन की खास तस्वीर...

मुंबई। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में मां बनी हैं। अभिनय से दूर वह इस समय परिवार और अपनी बेटी के साथ समय बिता रही हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बेहद ही खास तस्वीर साझा की है। यह फोटो उनकी बहन अनीशा पादुकोण के साथ दीपिका के रिश्ते को दर्शाता है। दीपिका ने 28 सितंबर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भाई-बहनों के बीच की बॉन्डिंग को लेकर एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में एक शख्स चैनल बदलने की कोशिश करता हुआ दिख रहा है, जबकि दूसरा शख्स मस्ती में अपने हाथ से सेट-टॉप बॉक्स को ब्लॉक कर रहा है। फोटो के कैप्शन में लिखा है, 'भाई बहन के साथ बड़े होते हुए.... मुझे समझाने की जरूरत नहीं है कि यहां क्या हो रहा है।' इस कैप्शन के साथ उन्होंने अपनी बहन अनीशा को टैग भी किया है।

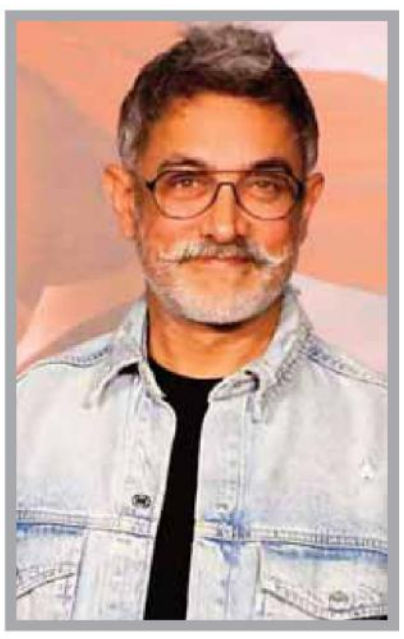

सड़कों पर भाग-भाग कर चिपकाए थे पोस्टर

नई दिल्ली। आमिर खान को बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है, जिन्होंने 3 इडियट्स, धूम 3 और दंगल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दीं। लेकिन, एक वक्त ऐसा था जब अपनी फिल्मों का प्रमोशन वह खुद करते थे। इतना ही नहीं, सड़कों पर घूमते हुए वह ऑटो और टैक्सी पर पोस्टर चिपकाया करते थे। वहीं, लोगों से अपनी फिल्म देखने की गुजारिश करते थे। यकीन नहीं होता तो वायरल वीडियो देख लीजिए, जिसमें अपनी फिल्म का प्रमोशन करते हुए आमिर खान खुद नजर आ रहे हैं और टैक्सी और ऑटो पर पोस्टर लगाते हुए दिख रहे हैं। वायरल वीडियो एक पुराने इंटरव्यू का है, जिसमें आमिर खान टैक्सियों और ऑटो के पीछे अपना पोस्ट लगाते दिख रहे हैं। जबकि कुछ लोग हां तो कुछ उन्हें मना करते हुए दिख रहे हैं।

टीवी मसाला

'अनुपमा' की गद्दी छिनना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। छोटे पर्दे का चर्चित शो 'अनुपमा' टीआरपी चार्ट में नंबर वन पर काबिज है। 'अनुपमा' के रूप में रूपाली गांगुली अपनी भावनात्मक रोलरकोस्टर यात्रा से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। हिबा नवाब और क्रुशाल आहूजा का शो 'झनक' दूसरे स्थान पर है। निर्माता, दर्शकों को लुभाने के लिए कहानी में नए-नए ट्विस्ट एंड टर्न्स लेकर आते रहते हैं। यही वजह है कि हर हफ्ते टीआरपी रिपोर्ट में दिलचस्प बदलाव देखने को मिलते हैं। जहां कुछ शोज बीते लंबे समय से टीआरपी लिस्ट में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं, तो कुछ अचानक से इस सूची में जगह बनाकर हर किसी को हैरान कर देते हैं। इसी बीच ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल ने 38वें हफ्ते की टीआरपी (टेलीविजन रेटिंग पॉइंट) की सूची जारी कर दी है, जो बेहद रोमांचक है। इसमें 'अनुपमा' हमेशा की तरह बढ़त बनाए हुए है। रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' ने भी सूची में दोबारा एंट्री की, जबकि 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' अपने पिछले पायदान से नीचे खिसक गई है।

टॉप 10 लिस्ट में हुई 'खतरों के खिलाड़ी 14' की वापसी

'बिग बॉस 18' में सलमान के साथ मेजबानी की कमान संभालेगा कृष्णा

नई दिल्ली। प्रशंसक सलमान खान के जरिए होस्ट किए जाने वाले शो 'बिग बॉस 18' के प्रीमियर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रियलिटी टेलीविजन शो के निर्माताओं ने इसके नवीनतम प्रोमो से प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। प्रोमो में संकेत दिया गया है कि चर्चित कॉमेडियन-अभिनेता कृष्णा अभिषेक, सलमान खान के साथ इस साल के बिग बॉस की मेजबानी कर सकते हैं। कृष्णा ने इंस्टाग्राम पर 'बिग बॉस 18' का एक प्रोमो साझा किया। वीडियो की शुरुआत बिग बॉस द्वारा कृष्णा को एक संदेश भेजने से होती है जिसमें कहा गया है कि कृष्णा जल्द ही अपने दोस्तों के साथ छुट्टियों के लिए रवाना होंगे। कृष्णा इस बात से भ्रमित हो जाते हैं कि बिग बॉस को बैंकॉक में उनकी छुट्टियों की योजना के बारे में कैसे पता चला।

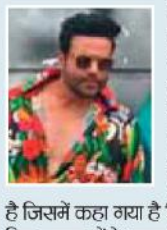

अमिताभ के माता-पिता के साथ अच्छा नहीं था जया का बर्ताव?

नई दिल्ली। बॉलीवुड का मशहूर बच्चन परिवार पिछले कुछ समय से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर नेटिजन्स दो हिस्सों में बंट गए हैं, एक जिसे अमिताभ बच्चन और जया बच्चन का परिवार अच्छा लगता है और दूसरा जिसे ये लगता है कि इस फैमिली में उथल-पुथल चल रही है। अब ऐश्वर्या, अपने ससुराल वालों के साथ नहीं दिखतीं, जिसके चलते फैंस का कहना है कि वो अपनी मां के घर पर बेटी को लेकर रहने लगी हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी बच्चन परिवार को लेकर इस तरह की खबरें उड़ चुकी हैं, जब बिग बी के खास दोस्त रहे राजनेता अमर सिंह ने दावा किया था कि जया बच्चन भी अपने सास-ससुर यहां तक कि अमिताभ बच्चन से अलग रहती हैं।

अमिताभ बच्चन के खास : दोस्त रहे अमर सिंह ने ही इनके रिश्ते को लेकर कई राज खोले थे। दोनों की दोस्ती कई सालों तक थी,

लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब इनके बीच मनमुटाव हो गया और फिर अमर सिंह ने गुस्से में काफी कुछ बोल दिया। करीब आठ साल पहले दिए इंटरव्यू में अमर सिंह ने कहा था कि जया बच्चन का बर्ताव अपने सास-ससुर हरिवंश राय बच्चन और तेजी बच्चन के साथ अच्छा नहीं था। सिंह की मानें तो जया ने करीब 15 साल तक दोनों के साथ अच्छा नहीं किया। अमर सिंह ने कहा था कि अमिताभ बच्चन के सामने जया उनके माता-पिता का अपमान करती थीं, लेकिन बिग बी ने कभी उन्हें ऐसा करने पर नहीं रोका। एक वक्त ऐसा आया जब दोनों अलग-अलग घर में रहने लगे। अपमानजनक रिश्ते के कारण अमिताभ ने पत्नी से अलग रहने का फैसला लिया। वह अपने माता-पिता के साथ प्रतीक्षा बंगले में रहने लगे और जया, जलसा में रहने लगी।

अमर सिंह पर लगा था आरोप: अमर सिंह को लेकर कहा जाता था कि उनके कारण दोनों के रिश्ते में दूरी आई, लेकिन इस बात का खंडन करते हुए सिंह ने कहा था कि उनसे मिलने से पहले भी अमिताभ बच्चन और जया अलग रहा करते थे। इतना ही नहीं, उन्होंने अभिषेक और ऐश्वर्या के रिश्ते पर भी बात की थी। उन्होंने कहा था कि जया बच्चन-अमिताभ बच्चन के बहू- बेटा उनके साथ नहीं रहते। उन्होंने कहा था कि अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय अलग घर में रहते हैं, इसी वजह से इस परिवार में तनाव होने की खबर फैली थी।

नानी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

आईफा उत्सवम में छाए साउथ सिनेमा के सितारे...

मुंबई। अबू धाबी में आयोजित 'आईफा उत्सवम 2024' में साउथ सिनेमा और बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए। तीन दिन के इस अवॉर्ड शो में पहले दिन साउथ सिनेमा के सितारों को सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड नाइट में जिन अभिनेताओं, फिल्मों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इन पुरस्कारों से सम्मानित हुए सितारे : एएनआई के मुताबिक 'आईफा उत्सवम 2024' में साउथ सिनेमा के स्टार नानी को अपनी तेलुगू फिल्म दशहरा में एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्हें तारीफ मिली है। मणि रत्नम को अपनी तमिल फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वम 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। उनकी इस फिल्म को क्रिटिक्स और फैंस सभी ने खूब सराहा है। साथ ही चिरंजीवी को सिनेमा में अपने योगदान के लिए उत्कृष्ट उपलब्धि का पुरस्कार मिला। इसके साथ ही समंथा प्रभु को भारतीय सिनेमा में 'वुमन ऑफ द ईयर इन इंडियन सिनेमा' से सम्मानित किया गया।

अवॉर्ड शो में ये सितारे हुए शामिल : *इस अवॉर्ड नाइट में बहुत से चर्चित सितारे शामिल हुए थे। अवॉर्ड नाइट में मणिरत्नम, सामंथा रुथ प्रभु, चिरंजीवी, नंदमुरी बालकृष्ण, एआर रहमान, राणा दग्गुबाती और वेंकटेश दग्गुबाती जैसे सितारे शामिल हुए। बॉलीवुड हस्तियां शाहिद कपूर, अनन्या पांडे, कृति सनोन, करण जौहर, ऐश्वर्या राय, जावेद अख्तर और शबाना आजमी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।*

लता मंगेशकर जैसा ना कोई था और ना ही कोई होगा

छोटी उम्र में छूटा पिता का साथ, मुफलिसी में बीता बचपन

नई दिल्ली। लता मंगेशकर एक ऐसा नाम है, जो सदियों के लिए अमर हो चुका है। उनकी आवाज पीढ़ियों तक संगीत प्रेमियों को सुकून देती रहेगी। लता मंगेशकर जैसा ना कोई था और ना ही कोई होगा। शनिवार (28 सितंबर) को 'स्वर कोकिला' कही जाने वाली लता मंगेशकर की बर्थ एनिवर्सरी थी। इस अवसर पर उनके प्रशंसकों ने उन्हें याद किया।

बचपन का नाम था हेमा

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में सबसे बड़ी बेटी के रूप में हुआ। उनके पिता रंगमंच एलजी के कलाकार और गायक थे। लता मंगेशकर के बचपन का नाम हेमा था। लता मंगेशकर जब महज तेरह वर्ष की थीं, तब उनके सिर से उनके पिता का साया उठ गया। उनकी शुरुआती जिंदगी पैसों की किल्लत में गुजरी।

पैसों के लिए फिल्मों में करना पड़ा काम

पिता की असामयिक मृत्यु की कारण से पैसों के लिए उन्हें हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म 'पाहिली मंगलागौर' (1942) रही, जिसमें उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया जिसमें, 'माझे बाल', 'चिमुकला संसार' (1943), 'गजभाऊ' (1944), 'बड़ी मां' (1945), 'जीवन यात्रा' (1946), 'मांद' (1948), 'छत्रपति शिवाजी' (1952) शामिल थी। 'बड़ी मां' में लता जी ने नूरजहां के साथ अभिनय किया और उनकी छोटी बहन की भूमिका निभाई आशा भोंसले ने।

जलन के चलते लता को दे दिया था जहर

साल 1949 में उन्होंने फिल्म 'महल' के 'आयेगा आनेवाला' गीत गाया। इस गीत को अभिनेत्री मधुबाला पर फिल्माया गया था। मधुबाला लता जी के लिए शुभ साबित हुईं। इस फिल्म और गीत को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ती गईं और उन्होंने मुड़कर पीछे नहीं देखा। लता मंगेशकर जैसे ही अपने करियर पर ऊंचाइयों पर चढ़ने लगीं, लोग उनसे जलन करने लगे, जिसके चलते उन्हें जहर दे दिया गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि जहर की वजह से वह तीन महीने बिस्तर पर पड़ी रहीं।

फर्स्ट गाने के लिए नहीं मिला था क्रेडिट

साल 1948, फिल्म आई 'जिद्दी'। गाने सुपरहिट थे। उस दौर की मंझी हुई अदाकारा कामिनी कौशल के लिए लता मंगेशकर ने गाने गाए। फिल्म खूब पसंद की गई। उस दौर में सिंगर का नाम डिस्क पर नहीं जाता था, सो लता का भी नहीं गया। नाम लिखा गया 'आशा'! उस फिल्म में कामिनी कौशल के कैरेक्टर का नाम था आशा। म्यूजिक कंपनी ने आशा ही नाम छापा। गाना खूब बजा, लोगों को पसंद भी आया और सिंगर के तौर पर कामिनी कौशल को लोगों का प्यार भी खूब मिलने लगा। लेकिन, कामिनी कौशल को लता का क्रेडिट लेने में हिचक महसूस हुई। तुरंत, रिकॉर्डिंग कंपनी से गुजारिश की कि उनकी जगह लता का नाम डाला जाए ऐसा ही हुआ और तब जाकर आशा की जगह लता का नाम लिखा गया।

मौसमी को अपने हाथों से पहनाई थी पायल

मौसमी चटर्जी की शादी हेमंत कुमार के बेटे जयंत मुखर्जी से हुई थी, ये वही हेमंत कुमार थे जिन्हें लता दीदी अपने बड़े भाई की तरह मानती थीं। उनकी बहू मुंबई आकर बसी तो उन्होंने फिल्मों में काम करना भी शुरू कर दिया। एक दिन मौसमी चटर्जी को हेमंत बाबू अपने साथ लता जी से मिलवाने के लिए उनके घर ले गए। अब पहली बार लता दीदी हेमंत कुमार की बहू से मिलीं थीं, ऐसे में मुंह दिखाई तो बनती थी। इसीलिए उन्होंने एक सोने की पायल मौसमी को उपहार के तौर पर दी। इतना ही नहीं लता दीदी ने खुद अपने हाथों से ये पायल मौसमी के पैर में पहनाई थी।

स्मॉलकैप फंडों ने 10,000 की मासिक एसआईपी से ही बना दिया करोड़पति

जब भी निवेश की बात आती है तो बाजार के जानकार स्मॉल कैप फंडों में एसआईपी के जरिये निवेश करने का सुझाव देते हैं। क्योंकि पिछले 15 साल में 5 स्मॉलकैप फंडों ने 10,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.35 करोड़ रुपये तक बदल दिया है। एसबीआई समेत कई स्मॉल कैप फंडों ने बढ़िया रिटर्न दिया। हालांकि ऐसी स्कीमें काफी जोखिम भरी होती हैं। लिहाजा, निवेशकों को जोखिम और निवेश अवधि पर विचार करना चाहिए। जानकारों का यह भी कहना है कि हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करेंगे तो नुकसान नहीं होगा।

पांच स्कीमों ने दस हजार के मासिक एसआईपी को 1.35 करोड़ में बदला

●

इनमें से एसबीआई स्मॉल कैप फंड ने निवेशकों को दिया सबसे ज्यादा रिटर्न

●

निवेश करने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को जरूर जांच

●

हमेशा कोशिश करें कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं

पैसे की बात
बिजनेस डेस्क

15 सालों में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंडों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

पिछले 15 सालों में कुछ स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इन स्कीमों ने 10,000 रुपये के मासिक एसआईपी को इस अवधि में 1.35 करोड़ रुपये तक में बदल दिया है। म्यूचुअल फंड की इन स्कीमों पर एक रिपोर्ट के अनुसार 9 स्मॉलकैप फंडों का विश्लेषण किया गया है, जिन्होंने बाजार में 15 साल पूरे कर लिए हैं। इनमें से पांच फंड निवेशकों के लिए बेहतरीन साबित हुए हैं। इन्होंने मासिक 10,000 रुपये के एसआईपी को 1.08 करोड़ रुपये से 1.35 करोड़ रुपये के बीच बदला है। हालांकि, यह भी चेतावनी दी गई है कि स्मॉलकैप फंड निवेश के लिहाज से जोखिम भरे होते हैं। लिहाजा, निवेशकों को जोखिम और निवेश अवधि पर विचार करना चाहिए। जानकारों का यह भी कहना है कि हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करेंगे तो नुकसान नहीं होगा।

15 सालों का प्रदर्शन, 10,000 मासिक एसआईपी

फंड का नाम	अवधि 15 साल	एक्सआईआरआर (%)
एसबीआई स्मॉल कैप फंड	13,589,870.39	24.03
डीएसपी स्मॉल कैप फंड	11,684,379.18	22.33
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	11,316,879.6	21.97
क्वांट स्मॉल कैप फंड	11,064,148.02	21.71
कोटक स्मॉल कैप फंड	10,876,801.37	21.52

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

रिपोर्ट के अनुसार, एसबीआई स्मॉल कैप फंड ने पिछले 15 सालों में सबसे ज्यादा 24.03% का रिटर्न (एक्सआईआरआर) दिया है। इसमें मासिक 10,000 रुपये का एसआईपी 1.35 करोड़ रुपये हो गया है।

डीएसपी स्मॉल कैप फंड

डीएसपी स्मॉल कैप फंड ने 22.33% रिटर्न के साथ 15 साल में 10 हजार रुपये के मासिक एसआईपी को 1.16 करोड़ रुपये बना दिया है।

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने 21.97% रिटर्न दिया है। पिछले 15 सालों में स्कीम में 10 हजार के मासिक सिप के जरिये निवेशकों ने 1.13 करोड़ रुपये जुटाए।

4. क्वांट स्मॉल कैप फंड

क्वांट स्मॉल कैप फंड का रिटर्न 21.71% रहा। इसमें 15 साल के मासिक एसआईपी के जरिये निवेशकों ने 1.10 करोड़ रुपये जुटा लिए।

कोटक स्मॉल कैप फंड

कोटक स्मॉल कैप फंड ने 21.52% रिटर्न (एक्सआईआरआर) दिया। 15 सालों में इसमें हर महीने 10 हजार रुपये के सिप के साथ निवेशकों ने 1.08 करोड़ रुपये जुटाए।

स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन

9 में से बाकी 4 स्मॉलकैप फंडों ने पिछले 15 वर्षों में 17.47% से 20.32% के बीच एक्सआईआरआर दिया। इन्होंने 10,000 रुपये की मासिक सिप को इस दौरान 76.20 लाख रुपये से 97.87 लाख रुपये के बीच बनाया। इन चार स्कीमों में एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड, सुंदरम स्मॉल कैप फंड और आदित्य बिड़ला एसएल स्मॉल कैप फंड शामिल हैं।

स्मॉलकैप स्कीमों के साथ जोखिम

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि स्मॉलकैप स्कीमों को जोखिम भरा माना जाता है। कारण है कि वे बहुत छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करती हैं। सेबी के नियमों के अनुसार, इन योजनाओं को उन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है जो बाजार पूंजीकरण के मामले में 250 से नीचे स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इन कंपनियों में कॉर्पोरेट गवर्नेंस से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। बाजार में चुनौतीपूर्ण दौर के दौरान ये बंद भी हो सकती हैं। यही कारण है कि स्मॉलकैप शेयरों में निवेश करना बेहद जोखिम भरा है। स्मॉलकैप स्कीमों में तभी निवेश करें जब आपके पास बहुत अधिक जोखिम उठाने की क्षमता हो, अस्थिरता को झेलने की हिम्मत हो और निवेश की अवधि लंबी हो, जैसे कि लगभग 10 साल।

(डिस्क्लेमर : इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें, क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं। शेयर बाजार में निवेश रिस्क के अधीन है। निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता का आकलन करें।)

बढ़ती महंगाई को ध्यान में रखकर ही करें निवेश, वरना पिछड़ जाएंगे आप

अगर आप चाहते हैं कि आज के एक करोड़ रुपये की वैल्यू 20 या 30 साल बाद भी उतनी ही रहे तो आपको निवेश की रकम हर साल बढ़ानी होगी। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो निवेश की रकम हर साल 10 फीसदी बढ़ाते जाएं। 6 फीसदी सालाना महंगाई दर के हिसाब से 30 साल बाद आज के एक करोड़ रुपये की वैल्यू करीब 5.80 करोड़ रुपये होगी। ऐसे में निवेश इसी अनुसार करें। इससे आप आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे और पैसे की कमी कभी नहीं होगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दुनिया में लगातार बढ़ती महंगाई ने हर किसी के पसीने छुड़ा रखे हैं। लोगों को महंगाई से कहीं भी राहत नहीं है। ऐसे में निवेश करते समय आपको भी सावधानी बरतनी होगी। महंगाई को देखते हुए अपने लक्ष्य तय करने होंगे और उसके हिसाब से ही निवेश करतना होगा, ताकि आने वाले समय में आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े। एक अनुमान के मुताबिक बता दें कि आने वाले 30 साल के बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू 20% से भी कम होगी। ऐसे में आपको आर्थिक न घेरे उसके हिसाब से महंगाई के अनुपात में की निवेश करना होगा। इसमें यह भी देखना होगा कि हर साल महंगाई दर कितनी बढ़ रही है। उसी हिसाब से आपको रिटर्न मिलेगा तो आराम से महंगाई को मात देकर खुद को आर्थिक संकट से बचा सकेंगे। वरना लगातार बढ़ती महंगाई आपके हाथ पैरा फुला देगी और रुपयों की तंगी हालत खराब कर देगी। बड़ा फंड बनाने के लिए हर साल अपने निवेश को बढ़ाते जाएं, तभी आप आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकेंगे और बच्चों के भविष्य के लिए भी बेहतर प्लान कर सकेंगे। आपने लोगों को अक्सर कहते सुना होगा कि आज बहुत महंगाई हो गई है। आपके घर में बुजुर्ग कहते होंगे कि हमारे समय में दूध 15-20 रुपये लीटर मिलता था, अब तो 60 रुपये लीटर से ज्यादा है। आटा, चीनी आदि जरूरी चीजें भी काफी सस्ती होती थीं। अब यह भी महंगी हो गई हैं। दरअसल, ऐसा हमारे देश में ही नहीं, दुनिया के हर देश में हुआ है। समय के साथ महंगाई बढ़ी है। ऐसे में चीजों की कीमत भी बढ़ गई है। ऐसे में अगर आप सोचते हैं कि भविष्य के जरूरी खर्चों के लिए एक करोड़ रुपये की रकम काफी रहेगी, तो आप गलत हो सकते हैं।

बड़ा फंड तैयार करना होगा

दरअसल, काफी लोग बेहतर भविष्य के लिए बड़ा फंड बनाते हैं। इनमें काफी ऐसे हैं जिन्हें लगता है कि अब से 25-30 साल बाद एक करोड़ रुपये का फंड काफी रहेगा। अगर आपको भी ऐसा ही लगता है तो आप गलत हो सकते हैं। जिस तरह से महंगाई दर बढ़ रही है, ऐसे में 30 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू रुपये के मुकाबले चवन्नी से भी कम हो जाएगी। ऐसे में अगर आप लॉन्ग टर्म के लिए निवेश कर रहे हैं तो महंगाई दर को ध्यान में रखकर निवेश करें।

30 वर्ष बाद कितनी होगी वैल्यू

अगर आप 20 या 25 या 30 साल को ध्यान में रखकर निवेश कर रहे हैं तो इसके लिए बेहतर प्लानिंग जरूरी है। यहां एक मकान का उदाहरण लेते हैं। अपने घर के आसपास की किसी प्रॉपर्टी को चुनिए। फिर किसी जानकार से पूछिए कि उस प्रॉपर्टी की कीमत आज से 30 साल पहले कितनी थी। यकीन मानिए, यह आज की कीमत के मुकाबले 10 से 15 फीसदी होगी। ऐसे में आप खुद की अंदाजा लगा सकते हैं कि अगर आप 30 साल बाद किसी प्रॉपर्टी को खरीदेंगे तो उसकी कितनी ज्यादा कीमत चुकानी होगी।

●

30 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू 20% भी नहीं रहेगी

●

बड़ा फंड बनाने के लिए निवेश की रकम हर साल बढ़ाएं

●

आज से 20 या 30 साल बाद एक करोड़ की वैल्यू कितनी होगी

कितने रह जाएंगे एक करोड़

अगर आप 20 या 30 साल को ध्यान में रखकर एक करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं तो उस समय इसकी वैल्यू आज के एक करोड़ रुपये के मुकाबले काफी कम हो जाएगी। अगर हम महंगाई दर 6 फीसदी सालाना मान लें तो एक करोड़ रुपये की वैल्यू कितनी होगी 20 साल के बाद अगर आप चाहते हैं कि 20 साल बाद आपके पास एक करोड़ रुपये हों तो एक करोड़ रुपये का फंड बन जाएगा, लेकिन सोचिए कि 20 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू क्या रहेगी। इस रकम से आप उस समय एक मकान तक नहीं खरीद पाएंगे। 6 फीसदी सालाना महंगाई के हिसाब से 20 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू करीब 31 लाख रुपये होगी। यानी आपकी उम्मीद से बेहद कम।

30 साल बाद

समय बढ़ने के साथ रुपये की वैल्यू और कम होती जाएगी। ऐसे में 30 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू रुपये में चवन्नी के बराबर भी नहीं रहेगी। यह 20 फीसदी से भी कम हो जाएगी। अगर हम सालाना महंगाई 6 फीसदी मानें तो 30 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू करीब 17.50 लाख रुपये ही रह जाएगी। ऐसे में इतनी कम रकम में कैसे काम चलेगा। इसलिए अभी से प्लानिंग शुरू कीजिए और अपने गोल सेट कर निवेश को हर साल बढ़ाइये ताकि आपका निवेश भी कम से कम 6 से 8 फीसदी सालाना बढ़ना चाहिए। ताकि तीस साल बाद जब आप देखें तो आपका एक करोड़ का निवेश के आठ से 10 करोड़ होगा तो आपको दिक्कत नहीं आएगी और आप आसानी से महंगाई का तोड़ निकाल सकेंगे।

अब यूएलआई से भी मिलेगा लोन, न सिबिल स्कोर जरूरी व न सैलरी प्रूफ

- बिना सैलरी वाले भी अब आसानी से लोन ले सकेंगे
- रिजर्व बैंक ने यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस प्लेटफॉर्म का ऐलान किया
- इस प्लेटफॉर्म से लोन लेने के लिए सिबिल स्कोर भी जरूरी नहीं
- लोन मिलना और आसान हुआ, चुटकियों में ले सकेंगे लोन

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अक्सर लोगों को लोन लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बैंक अक्सर सिबिल स्कोर, सैलरी स्लिप या सैलरी प्रूफ मांगते हैं। ऐसी ही समस्याओं के समाधान के लिए अब रिजर्व बैंक ने यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) प्लेटफॉर्म की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म से लोन मिलना बेहद आसान होगा। जिन लोगों का सिबिल स्कोर अच्छा नहीं होता या क्रेडिट हिस्ट्री खराब होती है, उन्हें लोन मिलने में बहुत परेशानी आती है। यही नहीं, अगर सैलरी नहीं है या सैलरी प्रूफ नहीं है, तब भी लोन के बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अगर इंटरनेट बैंकिंग नहीं है तो ऑनलाइन लोन लेना सपने जैसा ही है। लेकिन अब इनमें से किसी भी चीज के बिना चुटकियों में लोन मिलेगा। इसके लिए रिजर्व बैंक ने यूएलआई प्लेटफॉर्म की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म के जरिये कोई भी आसानी से लोन ले सकेगा। इसके लिए कोई सैलरी प्रूफ या सिबिल स्कोर दिखाने की जरूरत नहीं होगी। यानी अब बिना सैलरी वाले लोग भी असानी से लोन लेकर अपने काम कर सकेंगे। दरअसल लोगों को कुछ न कुछ जरूरतों के लिए लोन अक्सर लेना पड़ता है, जब आपके पास कोई प्रूफ न हो तो बैंक भी चक्कर कटवाते रहते हैं। ऐसे में यूएलआई प्लेफार्म लोगों के लिए एक बेहतर भूमिका निभाएगा और लोगों को लोन लेने में आसानी होगी।

क्या है यूएलआई

यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसे आरबीआई ने लोगों को आसान तरिके से लोन उपलब्ध करवाने के लिए तैयार किया है। यह प्लेटफार्म हर तरह के लोन दिलवाने का काम करेगा। अपने काम के लिए कोई भी व्यक्ति इस प्लेफॉर्म पर लोन के लिए अप्लाई कर सकेगा। यह लोन देने की प्रक्रिया को आसान बनाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इससे ग्रामीण और कम रकम का लोन लेने वालों को आसानी से लोन मिलेगा। शहरी लोग भी इसके जरिये लोन लेकर अपना काम कर सकेंगे।

कैसे करेगा काम

यूएलआई का उद्देश्य उधारकर्ता से संबंधित सभी रिलेवेंट जानकारी को एक ही मंच पर लाना है। एनटीटी डेटा पेमेंट सर्विसेज इंडिया के सीएफओ राहुल जैन कहते हैं कि यूएलआई के जरिए लोन देने वाले बैंक, एनबीएफसी आदि उन लोगों की वित्तीय और गैर-वित्तीय जानकारी तक पहुंच सकते हैं जो लोन लेना चाहते हैं। जानकारों के मुताबिक आधार, ई-केवाईसी रेकॉर्ड, पैन की जानकारी और राज्य भूमि रिकॉर्ड जैसी विभिन्न वित्तीय जानकारी को उधारकर्ता की फाइनेंशियल प्रोफाइल बनाने के लिए समेकित किया जाएगा। लोन देने वाले सभी बैंक, एनबीएफसी और फिनटेक फर्म इन जानकारियों के आधार पर लोन देंगी। इससे लोन देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। लोगों को आसानी से लोन मिल सकेंगे। इस प्रक्रिया में बैंकों को भी लोन देने में दिक्कत नहीं आएगी।

किस तरह के लोन मिलेंगे

इसका पायलट कार्यक्रम एक साल पहले शुरू किया गया था। उस समय यह पर्सनल लोन, एमएसएमई लोन, डेयरी के लिए लोन, होम लोन, किसान क्रेडिट कार्ड आदि के लिए था। इस समय यूएलआई प्लेटफॉर्म को एमएसएमई लोन, किसान लोन, पर्सनल लोन आदि के लिए तैयार किया गया है। समय के साथ इसमें और भी कई तरह के लोन मिलने शुरू हो सकते हैं। यूएलआई अभी अपने पायलट चरण में है और जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।

एक उदाहरण से जानिए कैसे मिलेगा लोन

जानकारों के अनुसार आप इस प्लेफार्म के जरिये लोन लेने की प्रक्रिया को इस उदाहरण के जरिये भी समझ सकते हैं। 'मान लीजिए मैं एक किसान या मछुआरा हूं। मेरे पास यह बताने के लिए कोई वित्तीय रिकॉर्ड नहीं है कि मैं बहुत अच्छा बिजनस कर रहा हूं या मेरी एक निश्चित इनकम है। ऐसे में लोन देने वाला बैंक या कोई संस्था जोखिम नहीं उठाएगी और मुझे लोन नहीं देगी। यह इलिए क्योंकि उन्हें यह नहीं पता कि मैं कितना पेमेंट करता हूं।' 'यूएलआई के साथ ऐसा नहीं होगा। इस प्लेटफॉर्म पर बैंक या दूसरे संस्थानों के मुकाबले ज्यादा जानकारी होगी। ऐसे में वे मेरे बिजनेस के बारे में ज्यादा जानकारी लेकर लोन देने का निर्णय ले सकते हैं। इसलिए कुछ लोग जिन्हें पहले लोन नहीं मिल रहा था, उन्हें लोन मिलने में आसानी होगी।'

- कई म्यूचुअल फंड लगातार करा रहे घाटा
- कहीं डूबे पैसे तो कहीं एफडी से भी कम रिटर्न
- ज्यादातर म्यूचुअल फंड लंबी अवधि में बेहतर या डबल डिजिट में दे रहे रिटर्न
- लेकिन कुछ ऐसे भी फंड मौजूद है जो लंबे समय में भी करा रहे घाटा

एसआईपी में भी रिटर्न के लिए सतर्क रहने की जरूरत

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश को लंबी अवधि में मुनाफे की गारंटी के तौर पर देखा जाता है। वैसे ज्यादातर म्यूचुअल फंड स्कीम में एसआईपी करने पर निवेशकों को लंबी अवधि में बेहतर या एनुअल बेसिस पर कम से कम डबल डिजिट में रिटर्न मिल रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एसआईपी मुनाफे की गारंटी है और इसमें निवेशकों का नुकसान नहीं हो सकता है। बाजार में ऐसी भी कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम हैं, जिनमें 5 साल और 10 साल के एसआईपी का रिटर्न या तो निगेटिव रहा है या एफडी से भी कम रहा। कुछ में निवेशकों का पैसा लगातार घट रहा है। हमने इस रिपोर्ट में यहां ऐसी 5 स्कीम की जानकारी दी है। जिन्होंने लंबे समय में भी अच्छा मुनाफा नहीं दिया। नुकसान ही करवाया है। वहीं कुछ ने तो एफडी या सेविंग अकांउट से भी कम रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेश करते समय सावधानी बरतें। आंखें बंद करके या किसी के सुझाव मात्र से ही निवेश न करें। वरना नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

निप्पॉन इंडिया ईटीएफ हैंगसेंग बीईईएस फंड 5 साल से 10 साल की अवधि में रिटर्न देने के मामले में टॉप लूजर्स रहा है। इस फंड में 5 साल का एसआईपी रिटर्न निगेटिव में 1 फीसदी और 10 साल का एसआईपी रिटर्न 1 फीसदी से भी कम रहा। वहीं वनटाइम इन्वेस्ट करने वालों को 5 साल में -1.30 फीसदी और 10 साल में 2.90 फीसदी रिटर्न मिला है। यह फंड 9 मार्च 2010 में लॉन्च हुआ था और लॉन्च होने के बाद से इसका रिटर्न 5.76% रहा है।

एसआईपी कैलकुलेशन

- 5 साल का रिटर्न : -1% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 5 साल में कुल निवेश : 6,00,000 रुपये
- 5 साल में एसआईपी की वैल्यू : 5,84,918 रुपये

10 साल का रिटर्न : 0.84% सालाना

- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12,00,000 रुपये
- 10 साल में एसआईपी की वैल्यू : 12,51,979 रुपये

डीएसपी वर्ल्ड एग्रीकल्चर फंड

डीएसपी वर्ल्ड एग्रीकल्चर फंड भी 5 साल और 10 साल की अवधि में रिटर्न देने के मामले में लूजर रहा है। इस फंड में 5 साल का एसआईपी रिटर्न -0.35 फीसदी और 10 साल का एसआईपी रिटर्न 2.48 फीसदी रहा है. वहीं वनटाइम इन्वेस्ट करने वालों को 5 साल में 3 फीसदी और 10 साल में 2.81 फीसदी रिटर्न मिला है। यह फंड 2 जनवरी 2013 में लॉन्च हुआ था और लॉन्च होने के बाद से इसका रिटर्न 4 फीसदी से कम रहा है।

एसआईपी कैलकुलेशन

- 5 साल का रिटर्न : -0.35% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 5 साल में कुल निवेश : 6,00,000 रुपये
- 5 साल में एसआईपी की वैल्यू : 5,94,696 रुपये

10 साल का रिटर्न : 2.48% सालाना

- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12,00,000 रुपये
- 10 साल में एसआईपी की वैल्यू : 13,60,973 रुपये

पीजीआईएम इंडियार इमर्जिंग इक्विटी फंड

पीजीआईएम इंडियार इमर्जिंग इक्विटी फंड 5 साल और 10 साल की अवधि में रिटर्न देने के मामले एफडी से भी पीछे रहा है। इस फंड में 5 साल का एसआईपी रिटर्न 4.25 फीसदी और 10 साल का एसआईपी रिटर्न 3.61 फीसदी रहा है। वहीं वनटाइम इन्वेस्ट करने वालों को 5 साल में 2.89 फीसदी और 10 साल में 3.20 फीसदी रिटर्न मिला है। यह फंड 1 जनवरी 2013 में लॉन्च हुआ था और लॉन्च होने के बाद से इसका रिटर्न 4.32 फीसदी रहा है।

एसआईपी कैलकुलेशन

- 5 साल का रिटर्न : 4.25% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 5 साल में कुल निवेश : 6,00,000 रुपये
- 5 साल में एसआईपी की वैल्यू : 6,68,080 रुपये

10 साल का रिटर्न : 3.61% सालाना

- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12,00,000 रुपये
- 10 साल में एसआईपी की वैल्यू : 14,42,123 रुपये

एडेलवाइस ग्रेटर चाइना इक्विटी ऑफशोर फंड

एडेलवाइस ग्रेटर चाइना इक्विटी ऑफशोर फंड में 5 साल का एसआईपी रिटर्न 3.76 फीसदी है, जो एफडी के आस पास है, जबकि 10 साल का एसआईपी रिटर्न 4.89 फीसदी रहा है। वहीं वनटाइम इन्वेस्ट करने वालों को 5 साल में 4.44 फीसदी और 10 साल में 7.49 फीसदी रिटर्न मिला है। यह फंड 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुआ था और लॉन्च होने के बाद से इसका रिटर्न 8.59 फीसदी रहा है।

एसआईपी कैलकुलेशन

- 5 साल का रिटर्न : -3.76% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 5 साल में कुल निवेश : 6,00,000 रुपये
- 5 साल में एसआईपी की वैल्यू : 5,45,170 रुपये
- 10 साल का रिटर्न : 4.89% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 12,00,000 रुपये
- 10 साल में एसआईपी की वैल्यू : 15,40,840 रुपये

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

कहा- दुनियाभर में आतंकवादी घटनाओं में उसका 'हाथ रहा' इनका लोकतंत्र व हिंसा के बारे में बात करना सबसे बड़ा पाखंड

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में अपने संबोधन में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ द्वारा जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने जाने की प्रतिक्रिया में अपने 'जवाब देने के अधिकार' का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत ने पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए उसकी असलियत दुनिया को दिखाई दी। यूएन में भारत की राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ को जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान दुनियाभर में आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए वैश्विक रूप से बदनाम है और वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमला करने का दुस्साहस कर रहा है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि दुनियाभर में आतंकवादी घटनाओं में उसका 'हाथ रहा' है। इनका हिंसा के बारे में बात करना सबसे बड़ा पाखंड है। पड़ोसी देश को यह पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के 'परिणाम अनिवार्य रूप से भुगतने पड़ेंगे।'

भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह हास्यास्पद है कि एक राष्ट्र जिसने 1971 में नरसंहार किया और जो आज भी अपने अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार करता आ रहा है, वह असहिष्णुता और भय के बारे में बोलने की हिम्मत करता है

पाकिस्तान नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए वैश्विक रूप से बदनाम

भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद पर भुगतने पड़ेंगे परिणाम

आतंकवाद का इस्तेमाल कर रहा

इस दौरान भारतीय राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने कहा कि इस सभा में दुखद रूप से एक हास्यास्पद घटना घटी। आतंकवाद, नशीले पदार्थों, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय अपराध के लिए वैश्विक रूप से बदनाम और सेना द्वारा संचालित देश ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं पाकिस्तानी पीएम के भाषण में भारत के संदर्भ के बारे में बात कर रही हूं। जैसा कि दुनिया जानती है, पाकिस्तान लंबे समय से अपने पड़ोसियों के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है।

अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार

भारतीय राजनयिक ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि एक राष्ट्र जिसने 1971 में नरसंहार किया और जो आज भी अपने अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार करता आ रहा है, वह असहिष्णुता और भय के बारे में बोलने की हिम्मत करता है। दुनिया खुद देख सकती है कि पाकिस्तान वास्तव में क्या है। हम एक ऐसे देश की बात कर रहे हैं जिसने लंबे समय तक ओसामा बिन लादेन को पनाह दी।

धांधली वाले चुनावों का इतिहास रहा

भाविका ने कहा कि धांधली वाले चुनावों के इतिहास वाले देश के लिए लोकतंत्र में राजनीतिक विकल्पों के बारे में बात करना और भी हैरान करने वाला है। पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के परिणाम निश्चित रूप से भुगतने होंगे। असली सच्चाई यह है कि पाकिस्तान हमारे क्षेत्र पर गंदी निगाह रखता है।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान में हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान में अफगान सीमा के पास उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में उड़ान भरने के तुरंत बाद एक चार्टर हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में रूसी पायलट समेत 14 यात्री सवार थे। हादसे में इनमें छह लोगों की मौत हो गई है जबकि आठ लोग घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हेलीकॉप्टर उत्तरी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की एक निजी कंपनी द्वारा किराए पर लिया गया था।

तेल कंपनियों का मुनाफा 15 रुपए प्रति लीटर बढ़ा

नई दिल्ली। देश की तेल कंपनियों का मुनाफा मार्च से लेकर अब तक पेट्रोल पर प्रति लीटर 15 रुपए बढ़ गया है। डीजल पर 12 रुपए बढ़ा है। इस दौरान कच्चा तेल 84 डॉलर प्रति बैरल से घटकर शुक्रवार को 71.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस आधार पर लोगों को 3 रुपए प्रति लीटर का फायदा मिल सकता है। बावजूद इसके ग्राहकों को कोई भी राहत नहीं मिली है। लगातार कीमतें घटने से सरकार चालू वित्त वर्ष में आयात बिल के रूप में 60,000 करोड़ बचा सकती है।

इशिबा बने पीएम अगले सप्ताह कार्यभार संभालेंगे

टोक्यो। जापान में नए पीएम का चुनाव हो चुका है। पूर्व रक्षा मंत्री शिगेरु इशिबा (67) को जापान की सत्तारूढ़ पार्टी ने अपना नेता चुन लिया। वह पीएम के रूप में अगले सप्ताह कार्यभार संभालेंगे। पार्टी के इस चुनाव में दो महिलाओं सहित नौ उम्मीदवार मैदान में थे। इशिबा को पार्टी के सांसदों और जमीनी स्तर के सदस्यों ने मतदान के जरिये चुना। नेता चुना जाना पीएम पद का टिकट है, क्योंकि इस समय संसद में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के सत्तारूढ़ गठबंधन का बहुमत है।

जयशंकर की विदेश मंत्रियों से भेंट

कई देशों के समकक्षों से संबंधों को और गहरा करने पर जोर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे हुए हैं। उन्होंने सत्र से इतर सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, उज्बेकिस्तान और डेनमार्क के अपने समकक्षों से मुलाकात की। नेताओं के बीच हुई वार्ता के दौरान भारत के इन देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने तथा मैत्रीपूर्ण संबंधों को विस्तार देने पर जोर दिया गया। शुक्रवार को उन्होंने सिंगापुर के अपने समकक्ष विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बालाकृष्णन से हुई बातचीत को शानदार बताया।

यूएई के विदेश मंत्री को बताया प्रिय मित्र

जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अपने प्रिय मित्र- यूएई के उप पीएम एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मिलकर हमेशा खुशी होती है। आपसी संबंधों और दुनिया के घटनाक्रम पर बातचीत हुई। उन्होंने डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन से भी मुलाकात की और यूक्रेन संघर्ष पर अपने विचार साझा किए। कहा कि डेनमार्क के विदेश मंत्री से मिलकर खुशी हुई। हमारे संबंधों के सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ने की सराहना की। यूक्रेन संघर्ष पर विचार साझा किए।

नीदरलैंड से सकारात्मक चर्चा

भारतीय विदेश मंत्री ने नीदरलैंड के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि नीदरलैंड के विदेश मंत्री से मिलकर खुशी हुई। मौजूदा रणनीतिक मुद्दों पर खुलकर और सकारात्मक चर्चा हुई। वे नॉर्थ मैसेडोनिया के विदेश मंत्री टिमको मुकुंस्की से भी मिले।

कुलगाम में आतंकियों के खिलाफ सेना और पुलिस का संयुक्त अभियान

मुठभेड़ में 2 आतंकी ढेर, 4 सुरक्षाकर्मी घायल इनमें तीन सेना के जवान और एक एएसपी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

कश्मीर में कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोपहर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। इलाके में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका थी। सेना के 3 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए हैं। चारों को इलाज के लिए श्रीनगर शिफ्ट किया गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने शनिवार को मुठभेड़ की जानकारी दी। बताया कि पुलिस और सेना ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत आदिगाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

इसी दौरान आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। फिलहाल ऑपरेशन जारी है। सेना के जवान डॉग स्क्वॉड की मदद से गश्त कर रहे हैं। कुलगाम मुठभेड़ में घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एएसपी मुमताज अली भट्टी, सिपाही सोहन कुमार, सिपाही योगिंदर और मोहम्मद इसरान शामिल हैं। मुमताज अली भट्टी के दाएं हाथ और बाएं पैर में गोली लगी है।

चारों सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए श्रीनगर ले जाया गया

पुलवामा के अवंतीपोरा में टेरर मॉड्यूल का खुलासा

ऑपरेशन जारी, जवान डॉग स्क्वॉड की मदद से गश्त कर रहे

युवाओं की मदद से हमले की रची साजिश

युवाओं की मदद से हमलों को अंजाम देने की साजिश थी पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान स्थित कश्मीरी आतंकी उन युवाओं की तलाश में हैं, जिनका ब्रेन वॉश किया जा सकता है। जांच में सामने आया कि आतंकी ने जेल में एक ओवर ग्राउंड वर्कर की मदद से कई युवाओं की पहचान की, जिन्हें अवंतीपोरा के त्राल क्षेत्र में आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया था।

पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद के 6 सहयोगी गिरफ्तार

दूसरी तरफ, पुलिस ने शुक्रवार, 27 सितंबर को पुलवामा के अवंतीपोरा में टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया। पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद के 6 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। ये युवाओं को आतंकवाद का प्रशिक्षण देते थे। इनके पास से 5 आईईडी, 30 डेटोनेटर, आईईडी की 17 बैटरी, 2 पिस्टल, 3 मैगजीन, 25 राउंड, 4 हैंड ग्रेनेड और 20 हजार नगद बरामद हुआ है।

हैंडलर बनाने के लिए युवाओं को दे रहे ट्रेनिंग

पुलिस के मुताबिक, पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर ने इन युवाओं की मदद से आईईडी लगाने के लिए कुछ जगहों को सिलेक्ट भी कर लिया था। हैंडलर और आईईडी बनाने के लिए उन युवाओं को पैसे भी दिए थे, जिससे वे इसके लिए सामान ला सकें। युवाओं को पिस्तौल, ग्रेनेड, आईईडी भी दी गई थी। युवाओं को टारगेट किलिंग, सुरक्षाबलों, सार्वजनिक जगहों, गैर कश्मीरी मजदूरों पर ग्रेनेड फेंकने और आईईडी ब्लास्ट करने जैसी टेररिस्ट एक्टिविटी को अंजाम देने का निर्देश दिया गया था।

मुंबई में आतंकी हमले का खतरा

अलर्ट पर सुरक्षाबल, भीड़भाड़ व धार्मिक स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में आतंकी हमले का खतरा है। दरअसल मुंबई पर आतंकी हमले की खुफिया सूचना मिली है, जिसके बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल अलर्ट पर है और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खास तौर पर नजर रखी जा रही है। शहर के धार्मिक स्थानों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है और कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखते ही पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है।

रेलवे स्टेशन, मॉल आदि में विशेष चौकसी

खतरे को देखते हुए भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे क्रॉफर्ड मार्केट आदि में पुलिस ने मॉक ड्रिल भी की। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मॉल और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त चौकसी बरती जा रही है। आतंकवाद निरोधक बल को भी सक्रिय कर दिया गया है। त्योहारी सीजन को देखते हुए पुलिस अतिरिक्त सुरक्षा बरत रही है। देश की वित्तीय राजधानी होने के नाते मुंबई शहर आतंकियों के निशाने पर रहता है। ये भी वजह है कि आतंकी हमले की खुफिया सूचना को सुरक्षा एजेंसियां पूरी गंभीरता से ले रही हैं।

नेपाल में 'आफत की बारिश'

विनाशकारी बाढ़ में 49 लोगों की मौत, 40 हुए लापता

काठमांडू। भारत का पड़ोसी देश नेपाल इन दिनों भयंकर बाढ़ की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लगातार बारिश के कारण नेपाल में बाढ़ से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई है। कई दिनों से हो रही बारिश के चलते नेपाल के तराई वाले इलाकों में बाढ़ आ गई है। वहीं दूसरी ओर नेपाल के तराई क्षेत्रों में हो रही बारिश से बिहार में गंडक और कोसी नदी का जलस्तर काफी बढ़ा दिया है। जहां पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। शुक्रवार से ही नेपाल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही थी। जिसके चलते नेपाल के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। भारी बारिश के बीच आपदा विभाग के अधिकारियों ने अचानक बाढ़ आने की चेतावनी भी जारी की थी।

कश्मीर में हुई सीजन की पहली बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर और लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में शनिवार को ताजा बर्फबारी हुई। कश्मीर के बारामूला जिले, प्रसिद्ध स्की रिजॉर्ट गुलमर्ग और मध्य कश्मीर के पर्यटन केंद्र सोनमर्ग में ताजा हिमपात हुआ है। बर्फबारी के बाद हुई फिसलन की वजह से श्रीनगर-लेह राजमार्ग को बंद करना पड़ा। सीजन की पहली बर्फबारी का पर्यटकों ने जमकर मजा लिया। अगले दो दिन तक निचले इलाकों में बारिश जबकि पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी का अनुमान है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने दिखाए दो नक्शे

भारत को बताया 'वरदान' और ईरान को 'अभिशाप', इंटरनेट पर वायरल हो रही यह तस्वीर

यूएन में इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्य पूर्व में संघर्ष के लिए ईरान को मुख्य किरदार के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया

- बाएं हाथ के नक्शे में मिस्र, सूडान, सऊदी अरब और भारत को हरे रंग में दिखाया
- दांए हाथ के नक्शे में ईरान, इराक, सीरिया, यमन को काले रंग में दिखाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गाजा युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र में अपने पहले संबोधन में इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्य पूर्व में संघर्ष के लिए ईरान को मुख्य किरदार के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान दो नक्शे प्रदर्शित किए, जिसमें देशों के एक समूह को 'अभिशाप' (द कर्स) और दूसरे समूह को 'आशीर्वाद' (द ब्लेसिंग) के रूप में दिखाया गया। उनकी यह तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों मानचित्रों में फिलिस्तीनी क्षेत्रों- वेस्ट बैंक और गाजा को इजराइल के हिस्से के रूप में दिखाया गया है। बेंजामिन नेतन्याहू के दांए हाथ के नक्शे में ईरान,

इराक, सीरिया और यमन को काले रंग में दिखाया गया है और उन्हें 'अभिशाप' यानी 'द कर्स' करार दिया गया है। उनके बाएं हाथ के नक्शे में मिस्र, सूडान, सऊदी अरब और भारत को हरे रंग में चित्रित किया गया है और इन देशों को 'आशीर्वाद' यानी 'द ब्लेसिंग' बताया गया है।

आईडीएफ ने मार गिराए हिज्बुल्लाह के 10 कमांडर

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने 'ऑपरेशन न्यू ऑर्डर' के तहत इजराइल ने लेबनान के खतरनाक आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के चीफ हसन नसरल्ला को मार गिराया। नसरल्लाह के मारे जाने से पहले उसके ज्यादातर टॉप कमांडर इजराइली हमले के शिकार हो चुके हैं। इस वक्त केवल एक कमांडर जिंदा बचा है, जिसकी तलाश में इजराइली सेना लगी हुई। इस कमांडर का नाम अबू अली रिदा है, जो कि बदर यूनिट का कमांडर है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने हिज्बुल्लाह के मारे गए कमांडरों की सूची जारी की है। इनमें इब्राहिम अकील (ऑपरेशन हेड), मोहम्मद कबीसी (मिसाइल और रॉकेट यूनिट हेड), फौद शुक्र (हिज्बुल्लाह का सर्वोच्च कमांडर), अल कराकी (साउथ फ्रंट कमांडर) का नाम शामिल है। इस संगठन की दूसरी पंक्ति के नेताओं की बात करें तो इजराइली सेना ने विसम अल तवील (रादवां फोर्स कमांडर), अबू हसन समीर (रादवां फोर्स का ट्रेनिंग हेड), मोहम्मद हुसैन सरौर (एरियल कमांड कमांडर), सामी तालेब अब्दुल्लाह (नासेर यूनिट कमांडर), मोहम्मद नासेर (अजीज यूनिट कमांडर) को हवाई हमले में ढेर कर दिया था।

गोलान हाइट्स को भी अपना बताया

बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा दिखाए गए नक्शे में सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र को भी इजराइल का हिस्सा दिखाया गया। यूएन में प्रॉप्स का उपयोग करने का इतिहास रखने वाले नेतन्याहू के इस कदम को पड़ोसी अरब देशों के साथ अपने बढ़ते संबंधों पर जोर देने के इजराइल के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी 7 अक्टूबर, 2024 को इजराइल पर हमास के हमले की निंदा करने वाले पहले वैश्विक नेताओं में से एक थे। हालांकि, भारत ने क्षेत्र में पूर्ण युद्धविराम का आह्वान किया है।

फिलीस्तीन को भी दी चेतावनी

नेतन्याहू ने फिलिस्तीन को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इजराइल दुनिया में शांति चाहता है। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनियों को यहूदियों के प्रति घृणा फैलाना बंद करना चाहिए और इजराइल के साथ समझौता करना चाहिए।

ईरान पर लगाए कई आरोप

पीएम नेतन्याहू ने यूएन में नक्शे को लहराते हुए कहा कि दुनिया को आशीर्वाद और अभिशाप के बीच चयन करना चाहिए। उन्होंने ईरान पर निशाना साधा और उस पर चरमपंथी संगठनों को हथियार व मदद मुहैया कराने का आरोप लगाया। उन्होंने दुनिया से ऐसे देशों का तुष्टिकरण बंद करने का आग्रह किया। नेतन्याहू ने कहा कि तेहरान के लिए मेरा एक संदेश है, अगर तुम हम पर हमला करोगे तो हम तुम पर हमला करेंगे। ईरान में ऐसी कोई जगह नहीं है जहां इजराइल न पहुंच सके, और यह पूरे मध्य पूर्व के लिए सच है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)